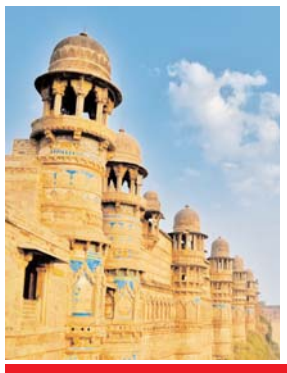

दैनिक

पुष्पांजली टुडे

MPHIN/2021/83938

नई सोच नई पहल

ग्वालियरः वर्षः 3 : अंकः 170 | ग्वालियर,29 फरवरी गुरुवार 2024 | पृष्ठः 8 मूल्यः 2 रुपए

उम्मीदवारों के नामों को लेकर दिल्ली पहुंचे सीएम मोहन यादव, नए चेहरों को लेकर हो सकता है मंथन

आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर मंगलवार (27 फरवरी) को बीजेपी प्रदेश कार्यालय में उम्मीदवारों को लेकर दिन भर मंथन का दौर चला. प्रदेश की 29 में से 23 लोकसभा सीटों पर तीन से चार नामों की पैनल बनाई गई. इन पैनलों की सूची लेकर आज बुधवार (28 फरवरी) को सीएम मोहन यादव, प्रदेश बीजेपी अध्यक्ष वीडी शर्मा सहित अन्य नेता दिल्ली पहुंच गए हैं. बताया जा रहा है कि कल दिल्ली में आयोजित होने वाली केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक के बाद कभी भी बीजेपी उम्मीदवारों की पहली सूची आ सकती है.प्रदेश बीजेपी कार्यालय में मंगलवार को हुए मंथन के निकले नामों की पैनल को लेकर आज सीएम डॉ. मोहन यादव, प्रदेश बीजेपी अध्यक्ष वीडी शर्मा दिल्ली पहुंचे हैं. दिल्ली में आज राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष, राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिव प्रकाश और क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल, संगठन महामंत्री हितानंद और पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान के साथ आज बैठक होगी. इस बैठक में इस पैनल को शार्ट किया जाएगा, जिसके बाद कल दिल्ली में होने वाली केंद्रीय चुनाव प्रबंधन समिति की बैठक में इस पैनल को रखा जाएगा. माना जा रहा है कि कल की बैठक के बाद कभी भी नामों का ऐलान हो जाएगा.

रायशुमारी में ये नाम आए सामने-मंगलवार को आयोजित बैठक और रायशुमारी में जो नाम सामने आए हैं उनमें भोपाल लोकसभा सीट से पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान, प्रदेश बीजेपी अध्यक्ष वीडी शर्मा, नरोत्तम मिश्रा और सुमित पचौरी के नाम शामिल हैं. इसी तरह विदिशा सीट से शिवराज सिंह चौहान, रमाकांत भार्गव, रामपाल सिंह. गुना सीट से ज्योतिरादित्य सिंधिया, केपी सिंह यादव. इंदौर सीट से कैलाश विजयवर्गीय, शंकर लालवानी, पुष्यमित्र भार्गव. मंदसौर से देवीलाल धाकड़, यशपाल सिंह सिसोदिया, मदन राठौर, सुधीर गुप्ता. सागर से गौरव सिरोठिया, राजबहादुर सिंह, रजनीश अग्रवाल, लता वानखेड़े.

ग्वालियर से ज्योतिरादित्य सिंधिया, यशवंत इंद्रापुरकर जयभान सिंह पवैया, विवेक शेजवलकर. बालाघाट से ढाल सिंह बिसेन, वैभव पंवार, मौसम बिसेन. खजुराहो से वीडी शर्मा, संजय पाठक, बैतूल से डीडी उईके, मंगल सिंह धुर्वे, डॉ. महेन्द्र सिंह. रीवा से जनार्दन मिश्रा, पुष्पराज सिंह, प्रज्ञा त्रिपाठी, अजय सिंह. सतना से गणेश सिंह, सपना वर्मा, योगेश ताम्रकार और शहडोल सीट से प्रमिला सिंह, हिमाद्री सिंह और ज्ञान सिंह के नाम उभरकर आए हैं.

अमित शाह ने बताया- इनके बिना नहीं जीत सकते लोकसभा चुनाव, मध्य प्रदेश के कार्यकर्ताओं को दिया जीत का मंत्र

लोकसभा चुनाव के मद्देनजर मध्य प्रदेश में केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने रविवार (25 फरवरी) को 400 पार का मंत्र दिया. उन्होंने पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं में जोश भर दिया. अमित शाह सबसे पहले ग्वालियर फिर खजुराहो पहुंचे. केन्द्रीय मंत्री अमित शाह ने ग्वालियर-खजुराहों में आयोजित क्लस्टर मीटिंग के दौरान बीजेपी पदाधिकारी-कार्यकर्ताओं को 400 पार का मंत्र देते हुए सक्रियता के साथ काम करने की अपील की. शाह ने बैठक के दौरान संबोधित करते हुए कहा कि यह काम बगैर कार्यकर्ताओं के नहीं हो सकता. निर्धारित कार्यक्रम अनुसार केन्द्रीय मंत्री शाह भोपाल पहुंचे और प्रबुद्धजनों को संबोधित किया. खजुराहो में आयोजित बूथ कार्यकता सम्मेलन में शाह ने कार्यकर्ताओं को हर बूथ पर

कमल खिलाने का संकल्प दिलाया. उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि इस इस बार लोकसभा चुनाव में 400 सीटें जीतना है. ये काम बूथ कार्यकर्ताओं के बगैर नहीं हो सकता. इसलिए पीएम मोदी के दिए लक्ष्य में जुट जाइए.

शाह ने मोदी सरकार की गिनाई उपलब्धियां-केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने खजुराहो-ग्वालियर में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए नरेंद्र मोदी सरकार की उपलब्धियां गिनाई. उन्होंने अयोध्या में राम मंदिर बनने से लेकर जम्मू कश्मीर से धारा 370 हटाने और गरीबों को मुफ्त राशन वितरण तक की चर्चा की. इस दौरान केन्द्रीय मंत्री शाह ने कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा.

विजय का संकल्प लेने का सम्मेलन-अमित शाह केन्द्रीय मंत्री अमित शाह ने कहा कि ये सम्मेलन विजय का संकल्प लेने का है. ये सम्मेलन 400 से ज्यादा सीटों के साथ सरकार बनाने का संकल्प का सम्मेलन है. शाह ने कहा कि मध्य प्रदेश में साल 2019 में एक सीट बच गई थी.

सिंधिया को इस सीट से बीजेपी बना सकती है कैंडिडेट, शिवराज सिंह चौहान समेत इन नेताओं का भी नाम

लोकसभा चुनाव के लिए बीजेपी उम्मीदवारों की पहली सूची एक दो-दिन में जारी हो सकती है. इसमें देश भर के साठ से सवा सौ उम्मीदवारों के नाम हो सकते हैं. इस सूची में मध्य प्रदेश में भी तीन से 10 कैंडिडेट के नाम फाइनल हो सकते हैं. इसी बीच बीजेपी प्रदेश चुनाव समिति और प्रदेश कोर ग्रुप ने राजधानी भोपाल में मंगलवार (27 फरवरी) को सभी 29 लोकसभा सीटों पर संभावित प्रत्याशियों का तीन-तीन नामों का पैनल तैयार कर लिया.यहां बताते चलें कि भोपाल में प्रदेश चुनाव समिति की बैठक में सीएम डॉ. मोहन यादव, प्रदेशाध्यक्ष वीडी शर्मा, प्रदेश चुनाव प्रभारी डॉ. महेंद्र सिंह, सहप्रभारी सतीश उपाध्याय और

संगठन महामंत्री हितानंद मौजूद थे.इसमें पहली, दूसरी और तीसरी वरीयता देकर तीन-चार नामों का पैनल फाइनल करके दिल्ली भेज दिया गया. प्रदेश अध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा का नाम खजुराहो के अलावा भोपाल और मुरैना सीट से भी भेजा गया है. इसी तरह ज्योतिराज सिंधिया का नाम ग्वालियर और गुना दोनों ही सीटों से भेजा गया है.

गुना, ग्वालियर और छिंदवाड़ा उम्मीदवारों का हो सकता है ऐलान-बीजेपी सूत्रों का कहना है कि आज बुधवार (28 फरवरी) को दिल्ली में उम्मीदवारों के चयन को लेकर अहम बैठक होने जा रही है. इसके बाद 29 फरवरी को पार्टी अपने लोकसभा उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर सकती है. दिल्ली की आज की बैठक में मध्य प्रदेश से आए पैनल के नामों के अलावा केंद्रीय नेतृत्व द्वारा तय किए गए नाम पर चर्चा की जाएगी.कहा जा रहा है कि पहली लिस्ट में गुना या ग्वालियर के अलावा झाबुआ और छिंदवाड़ा के उम्मीदवारों के नाम का ऐलान हो सकता है. ग्वालियर और गुना दोनों ही जगह से केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया का नाम पैनल में शामिल है.

पैनल में इन बीजेपी नेताओं का भी नाम-पार्टी के उच्च पदस्थ सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार प्रदेशाध्यक्ष वीडी शर्मा का नाम भोपाल,मुरैना और खजुराहो तीनों ही सीटों से पैनल में शामिल करके दिल्ली भेजा गया है.

मध्य प्रदेश में बारिश से किसानों को भारी नुकसान, जीतू पटवारी ने मोहन यादव सरकार को घेरा, की ये मांग

मध्य प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी कहा कि हाल ही में मौसम में हुए बदलाव ने मध्यप्रदेश में फसलों को भारी नुकसान पहुंचाया है. प्रदेश के कई हिस्सों में सोमवार से मंगलवार रात तक तेज हवाए बारिश के साथ गिरे ओलों ने खेतों में गेहूं, चना और सरसों की फसलों को सबसे ज्यादा प्रभावित किया है.नर्मदापुरम, खंडवा, छिंदवाड़ा, सीहोर, टीकमगढ़, बैतूल, छतरपुर और निवाड़ी जिलों में ओले गिरे हैं. कुछ जिलों में खेतों में कटी रखी फसल पानी में डूब गई. किसानों को आशंका है कि अब दाने काले पड़ सकते हैं. प्रदेश सरकार को इसका संज्ञान लेकर पीड़ित किसानों को राहत पैकेज जारी करना चाहिए.

10 से ज्यादा जिलों में नुकसान-पीसीसी चीफ पटवारी ने मीडिया रिपोर्ट्स का हवाला देते हुए कहा कि मंगलवार शाम तक भोपाल, सतना समेत प्रदेश के 10 जिलों में तेज बारिश, आंधी चली और ओले गिरे. सबसे ज्यादा छतरपुर जिले के नौगांव और सतना में एक इंच पानी गिरा. रीवा में पौन इंच, भोपाल, रायसेन और सीधी में आधा इंच से अधिक बारिश हुई. उज्जैन, शाजापुर, बैतूल, रायसेन, खजुराहो में भी बारिश हुई.मौसम विभाग ने अगले कुछ घंटों में प्रदेश के ज्यादातर इलाकों में बारिश, आंधी और ओले गिरने का अनुमान जताया है. पटवारी ने कहा कि पचमढ़ी, शिवपुरी में भी फसलों के लिहाज से काफी बारिश हुई है

STORME SMART SOLUTIONS

अपने स्वयं की गाड़ी चलाओ
पैसे कमाओ

कमायें 5000 रु. प्रति माह

अपनी गाड़ी 300 Km. चलाओ
5000/- प्रतिमाह कमाओ

9908750812, 8602854455, 9244933139

Old Railway Line, Near Sciendia Chauraha, Shatabdi Puram
Gwalior, Madhya Pradesh 474020

Website : www.stormesmartsolutions.com

सर्वधर्म समभाव की भावना से परोपकार करना ही सबसे बड़ा धर्म है : मलंग बाबा माशूम अली शाह

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । जिला भिण्ड तहसील अटेर के ग्राम - रानी विरंगमा की दरगाह दादावली पर हिंदुस्तान के प्रसिद्ध जानेमाने 102 बर्षीय मलंग बाबा मासूम अली शाह दादावली दरगाह पर तशरीफ लाए उनके साथ में बाबा रजाक मलंग भी मौजूद थे।प्रसिद्ध मलंग बाबा मासूम अली शाह ने कहा कि सभी धर्मों के लोगों को मिलजुल कर प्रेमभाव से एक साथ रहना चाहिए, हमें समाज में एक दूसरे की मदद करना चाहिए। मलंग बाबा शाह ने कहा कि परोपकार करना ही सबसे बड़ा धर्म है,जो व्यक्ति अपने माता पिता की सेवा और बड़ों की आज्ञा मानते हुए समाज के लोगों की मदद करता है,उस पर अल्लाह की मेहरबानी हमेशा बनी रहती है और वह जीवन में तरक्की करते हुए जन्नत को पाता

है,मलंग बाबा ने भिंड जिलेवासियों की खुशहाली के लिए अल्लाह से दुआ की।बाबा रजाक मलंग ने कहा कि माता पिता के पैरों में जन्नत होती है,जो लोग अपने माता पिता की सेवा करते हैं साथ ही सर्वसमाज में प्रेमभाव से मिलकर समाजसेवा करते हैं, उनपर अल्लाह का रहमोकरम हमेशा रहता है।मलंग बाबाओं का इस्तकेबाल (स्वागत) करने वालों में रानी बिरगवा दरगाह दादावली के बाबा करामत अली मलंग,इरशाद अहमद समाजसेवी कार्यकर्ता,प्रोफेसर डॉ. चिमनलाल हिंडोलिया (बौद्ध गुरु),पंकज त्रिपाठी पत्रकार,श्रीकृष्ण नरवरिया पूर्व पार्षद,खलील खान आदि सहित कई धर्मों और समाज के सैकड़ों लोग सम्मिलित हुए।

17 वी बटालियन में माँ निरंजना धाम प्रांगण में श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन हो रहा है

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । आचार्य डॉ. संतोष दास जी महाराज (श्री वृंदावन धाम) के मुखरबिन्दु बिंदु से श्रीमद् भागवत कथा अमृत महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। मुख्य अतिथि के रूप में श्री कमल दास महाराज जी टेकरी वाले,श्री चिलोंगा सरकार मुख्य रूप से उपस्थित रहे। इसमें परीक्षित की भूमिका में 17 बटालियन एस.ए.एफ के मोहन सिंह नरवरिया (एएसआई) इस कथा के आयोजक महिला सत्संग मंडल 17 बटालियन भिंड एवं समस्त भक्तगढ़ माँ निरंजना धाम है। श्रीमद् भागवत कथा के दौरान व्यास जी महाराज के द्वारा भक्त की महिमा का बखान किया गया है और बताया गया है जहां पर भक्ति होती है वहां पर साक्षात शक्ति होती है। भक्ति के बिना भगवान अधूरे है और भगवान के बिना भक्त अधूरे हैं। महाराज जी ने अपने शब्दों में सुखदेव भगवान की लीलाओं का वर्णन किया है। महाराज जी के द्वारा कहा गया है कि सदुरु की महिमा का वर्णन बहुत ही अलौकिक है। सुखदेव भगवान का परीक्षित के संवाद मे सुखदेव भगवान परीक्षित की विभिन्न प्रकार से परीक्षा लेते हैं जिसमें परीक्षित हर परीक्षा में सफल होते हैं। श्रीमद् भागवत में ईश्वर ने बताया है कि मैं प्रारंभ में हूं, मध्य में भी हूं, और अंत में मैं ही हूँ। प्रहलाद की भक्ति से खुश होकर ईश्वर ने नरसिंह अवतार में आकर प्रहलाद की रक्षा की और अपने विशाल अवतार के दर्शन कराए। आज भागवत कथा में मुख्य अतिथि के रूप में कुंडेश्वर धाम की मुख्य पुजारी प्रमुख रूप से सम्मिलित हुए और अपनी अमृत वचनों से जनता को रसपान कराया।

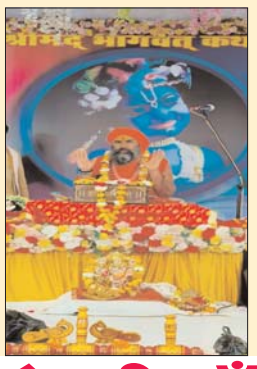

धूमधाम से मनाया गया अखिल भुवनेश्वरी माँ संकटा देवी का जन्मोत्सव,उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

अर्पित गुप्ता उपसम्पादक
पुष्पांजली टुडे

दबोह-दबोह के वार्ड नम्बर 15 में स्थित माँ संकटा देवी का जन्मोत्सव हर वर्ष की भाँति इस वर्ष भी बड़े ही धूम धाम से मनाया गया।माँ के जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में माँ संकटा देवी के मन्दिर पर विधिविधान से हवन कर विशेष पूजा अर्चना कर माँ की विशेष आरती की गई तदोपरांत तरह तरह के व्यंजनो का भोग भी लगाया गया।माँ के जन्मोत्सव के चलते तीन दिवसीय प्रवचन का आयोजन 25 फरवरी से 27 फरवरी 2024 तक किया गया।जिस दौरान श्रोता प्रवचन सुन माँ की भक्ति में लीन हो गए।जन्मोत्सव के चलते मन्दिर परिसर में श्रद्धालुओं का भी काफी जमबाडा रहा और भक्तो ने भी लम्बी कतार में लगकर बारी-बारी से माँ के दिव्य दर्शन प्राप्त कर अपने जीवन को सफल बनाया।भक्तो के द्वारा बताया जाता है कि जो भी भक्त सच्चे मन से 05 शुक्रवार मैया के दर्शन करता है उस भक्त की माँ संकटा देवी हर संकट काट देती है और वह भक्त अपनी मन मांगी मुराद पाता है।इस मंदिर के बारे में बताया जाता है कि कुछ वर्ष पूर्व मंदिर की टीन सेट

अचानक हिलने लगी थी जिसे देखने के लिए नगर के साथ साथ बाहर के लोग भी दौड़े आये बताया जाता है।उसी समय वार्ड वाशियो के द्वारा इस मन्दिर का जीर्णोउद्धार करा कर उसी

दिन से मन्दिर परिसर में अखण्ड रामायण का पाठ वर्षो से निरन्तर चल रहा है।माँ भगवती की प्राण प्रतिष्ठा कराई थी उसी दिन से आज तक हर वर्ष माँ की प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में जन्मोत्सव बड़ी धूम धाम से मनाया जाता है।साथ ही माँ के जन्मोत्सव के चलते हर वर्ष की भाँति इस वर्ष भी विशाल भंडारे का भी आयोजन किया गया जिसमें श्रद्धालुओं ने बड़ी संख्या में भण्डारा प्रसादी ग्रहण की।वहीं माँ के जन्मोत्सव पर भक्त शालनी पत्नी आशीष हिंगवासिया निवासी झांसी उत्तरप्रदेश के द्वारा मां के मंदिर में 51 किलो बजनी घन्टा चड़ाया गया।

ग्वालियर के नॉटी मचा रहे धूम,29 फरवरी को रिलीज होगा नॉटी आयुष्मान का यार का सिस्टम गाना

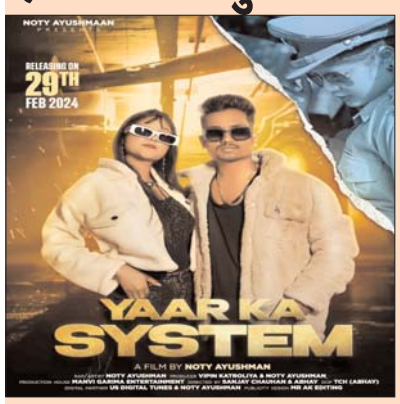

अर्पित गुप्ता उपसम्पादक पुष्पांजली टुडे

ग्वालियर- ग्वालियर के युवा ग्वालियर को एक नई पहचान बनाने के काफी सहयोग कर रहे हैं और अपनों प्रतिभा को निखार कर आगे ला रहे हैं।21 वर्षीय अभिनेता मध्य प्रदेश के ग्वालियर में रहने वाले के नॉटी आयुष्मान को नए अंदाज में प्रेजेंट किया था।जिसके साथ ही अपने नए सॉन्ग ÷यार का सिस्टम÷ कई टाइम बाद नजर आएंगे।साथ ही ग्वालियर की बडी मॉडल वर्षा लीड रोल में दिखाई देंगी।सॉन्ग को डायरेक्ट अभय और संजय ने प्रोड्यूस नॉटी आयुष्मान और विपिन कटरोलिया ने किया है।नॉटी आयुष्मान युवा रैपर और सिंगर है।वह मूल रूप से ग्वालियर के एक रैप गायक हैं,जो संगीत उद्योग में अपनी उपलब्धि के पथ पर आने वाले कई लोगों के लिए प्रेरणा बन गए हैं। हालही में एक इंटरव्यू में कहा गया था,÷केंद्रित रहो,अपने सपनों के पीछे जाओ और अपने लक्ष्यों की ओर बढ़ते रहो।आपको बता दें युवाओं के दिल मे अपनी अलग ही पहचान बनाने वाले नॉटी आयुष्मान इससे पहले भी कई सांग्स गाये हैं जिनमे जनता ने काफी पसंद किया है।आपको उनके यह सारे गाने उनके चैनल ऑफिसियल नॉटी आयुष्मान पर सुनने को मिल जाएंगे।

रेलवे कंसेशन प्रमाण पत्र 6 माह तक भी जारी नहीं होने से दिव्यांगजन भटक रहे

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । 28 फरवरी गुरुवार को विकलांग बल के प्रदेश सचिव सौरभ बघेल ने भिण्ड रेलवे स्टेशन पर पहुंचकर रेलवे कंसेशन प्रमाण पत्र की जानकारी ली तो पता चला की पूर्व से प्रत्येक माह की 14 एवं 28 तिथि को विकलांगजन के रेलवे कंसेशन के फॉर्म तो नियमित रूप से जमा हो रहे है और कर्मचारी सभी को ध्यान में रखकर नियमानुसार फॉर्म जमा कर रहे है,लेकिन अधिकतर विकलांगजन परेशान थे की उनको 4 माह की बोल दिया जाता है,कि आपका रेलबे का कंसेशन प्रमाण पत्र बनकर आ जायेगा लेकिन पांच से सात महीने में भी प्रणाम पत्र जारी नहीं हो रहे है, जिससे दूर दराज ग्रामीण क्षेत्र के विकलांग बन्धुओं को आने जाने मै बहुत ही परेशानी हो रही है ।इस अवसर पर प्रदेश सचिव सौरभ बघेल ने चौथा स्तम्भ मिडिया के माध्यम से बताया की बहुत ही जल्द झांसी मंडल रेलबे मुख्यालय मै परेशानी को अवगत कराएंगे प्रदेश सचिव ने बताया की विकलांग बल के माध्यम से सांसद को ज्ञापन दिया तब सांसद के सहयोग से माह मै भिण्ड स्टेशन पर प्रत्येक माह दो दिन ये फॉर्म जमा करने की सुविधा प्रदान की जा रही है, इस कारण अब पुनः हम भिण्ड - दतिया सांसद श्रीमती संध्या राय को भी इस परेशानी से निजात दिलाने के लिए एक ज्ञापन विकलांग बल के तरफ से दिया जायेगा ।विकलांग बल सौरभ बघेल के साथ मुख्य रूप से उपस्थित रहे विजय सिंह उर्फ गुडू भदौरिया।

कलेक्टर ने खनन माफिया की नाक में कसी नकेल

दैनिक पुष्पांजली टुडे

ग्राम ककाहरा में जेसीबी से गड्ढा खोदकर रास्ते को किया बंद

भिण्ड । खनन माफिया की नाक में नकेल कसने, रेत के अवैध परिवहन को रोकने के लिए कलेक्टर संजीव श्रीवास्तव के निर्देशन में खनिज विभाग दल द्वारा ठोस कदम उठाया गया है। जिसके अंतर्गत आज खनिज विभाग दल द्वारा नयागांव थाना अंतर्गत ग्राम ककाहरा में रेत का अवैध परिवहन को रोकने के लिए रेत खदान पर आने-जाने वाले रास्ते को बंद करने हेतु जेसीबी से गड्ढा खोदकर रास्ते को बंद कर दिया गया है। जिला अंतर्गत खनिजों के अवैध परिवहन/ उत्खनन/भण्डारण पर कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी।कलेक्टर संजीव श्रीवास्तव ने कहा है कि जिले में अवैध उत्खनन एवं परिवहन पर पूर्ण कसावट लाकर इसे रोकना उनका लक्ष्य है। इसी के तहत यह कार्यवाही की गयी है। जिले भर में यह अभियान, अवैध उत्खनन एवं परिवहन के पूर्ण रूप से बंद होने तक सतत् रूप से चलता रहेगा।

दबोह पुलिस ने गम्भीर अपराध के आरोपी को 12 घण्टे के अंदर पकड़ा

अर्पित गुप्ता उपसम्पादक पुष्पांजली टुडे

दबोह . श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय भिण्ड श्री असित यादव एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदय जिला भिण्ड श्री संजीव पाठक के निर्देशन में एवं श्रीमान अनुविभागीय अधिकारी(पुलिस)लहार श्री रविन्द्र विलबाल के मार्गदर्शन में गम्भीर अपराधों में आरोपी की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के तहत थाना दबोह में फरियादी की रिपोर्ट पर अपराध क्र 22/24 धारा 376 ए.बी., 354 भादवि 3/4 पॉक्सो एक्ट का पंजीबद्ध किया गया था।मामले की गंभीर मामला होने से आरोपी की गिरफ्तारी हेतु उसके सभी संभावित स्थानों एवं रिश्तेदारों के यहाँ दबिश दी गई।आरोपी को ग्राम बस्थरा से गिरफ्तार किया गया बाद आरोपी के द्वारा घटित अपराध के बारे में बताया गया तो आरोपी ने जुर्म करना स्वीकार किया।तदोपरांत दिनांक 28.02.2024 को ग्राम बस्थरा से आरोपी को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय लहार के पेश किया है।

इनकी रही सराहनीय भूमिका-उक्त सराहनीय कार्य में पुलिस थाना दबोह थाना प्रभारी उनि रविन्द्र सिंह तोमर,उनि सोहनीश सिंह तोमर,सउनि ओमकार सिंह तोमर,प्रआर,46 आकाश केन,आर.260 सोनू सिंह तोमर, आर. 212 रणजीत,आर. 865 आशीष शर्मा,आर.1150 संजय परिहार,आर.चालक 961 विकाश पवैया,म.आर.604 अफसाना खान की सराहनीय भूमिका रही।

आज भाजपा प्रदेश मंत्री लोकेंद्र पाराशर एवं भिंड जिला अध्यक्ष देवेंद्र नरवरिया का मौ मंडल में हुआ स्वागत

पुष्पांजलि टुडे रिपोर्टर
मौ डॉ बेताल सिंह गौड़

आज मौ मंडल में भाजपा प्रदेश मंत्री लोकेंद्र पाराशर एवं भिंड जिला अध्यक्ष देवेंद्र नरवरिया का आगमन हुआ जिसमें मौ मंडल के मंडल अध्यक्ष गोपाल कुशवाहा के निवास पर समस्त भाजपा कार्यकर्ताओं ने किया स्वागत इस बीच जिला मंत्री फरेंद्र सिकरवार, गोपाल कुशवाहा,रामखतयार गुर्जर , महामंत्री राजू मिश्रा, महेंद्र परिहार, धोरी यादव, राम यादव, पर्वत जादौन, कप्तान

कुशवाह, रमेश राठौर, महबूब खान, कोकसिंह कुशवाह, रामकुमार जादौन, सोमवीर शिवहरे ,बेताल गौड़, धर्मेंद्र राणा, रामकेश गुर्जर आदि भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे

यूथ कनेक्ट कार्यक्रम के पाठक बने जिला प्रभारी

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा,भारतीय जनता युवा मोर्चा प्रदेश प्रभारी व पार्टी प्रदेश महामंत्री कविता पाटीदार की सहमति से युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष वैभव पवार ने युवा चौपाल/यूथ कनेक्ट कार्यक्रम के युवा मोर्चा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अतुल रमेश पाठक को जिला भिंड का प्रभारी बनाया है।इस अवसर पर प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अतुल रमेश पाठक ने कहा कि इस जिम्मेदारी के लिए शीर्ष नेतृत्व का धन्यवाद एवं आभार व्यक्त करता हूं।आज देश एवं प्रदेश का युवा भारतीय जनता पार्टी एवं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकास कार्यों से प्रभावित होकर पार्टी से जुड़ने को आतुर है। इस कार्यक्रम से ज्यादा से ज्यादा युवाओं को पार्टी से जुड़ने का कार्य करेंगे ।

खाद्य बिभाग ने कार्यवाही के नाम पर की खानापूर्ति,मात्र दो किराना स्टोर पर भरे सेम्पल

अर्पित गुप्ता उपसम्पादक पुष्पांजली टुडे

दबोह- आलमपुर मे बुधबार को खाद्य बिभाग की टीम ने कस्बे की दो किराना दुकानो से

साबूदाना,तुअर दाल,चाय पत्ती,हल्दी, धनिया,मिर्च,सौंप के अलावा रवा के सेम्पल लिए।आलमपुर में एक साल के बाद खाद्य बिभाग की टीम ने कार्यवाही की जनवरी 2023 मे कस्बे मे संचालित शिवा माँ दूध डेरी पर तत्कालीन कलेक्टर सतीश कुमार एस के निर्देश पर डेरी संचालक संजीव राठौर के घर और डेरी पर एक साथ छापामार कार्यवाही की गई थी।जिसमे बड़ी मात्रा मे दूध बनाने का घोल और रिफाइंड के पैकेट मिले थे।जिस पर खाद्य बिभाग की टीम ने आलमपुर थाने मे एफआईआर 420 और अन्य धाराओं के तहत कराई थी।जो सेम्पल लिए गए थे तीन माह बाद आई सेम्पल की रिपोर्ट मे सेम्पल फेल पाए गये थे।ताज्जुब की बात तो यह की एक साल बाद भी कभी खाद्य बिभाग की टीम ने उक्त डेरी पर जाँच नहीं की और डेरी संचालक है सालो से जिले मे डटे खाद्य बिभाग के अधिकारी जानबूझकर इन मिलावट खोरो पर कार्यवाही नहीं करते।इसका उदहारण बुधबार को देखने को मिला जब खाद्य अधिकारी रीना बंसल और रेखा सोनी आलमपुर पहुंची तो दो किराना दुकानदार के सेम्पल भरे जबकि कस्बे मे कई किराना के बड़े दुकानदार है।जिनके पास करोडो का स्टॉक है और कई खामिया है।वही कस्बे मे कई मिस्ठान भंडार है और दो दूध की डेरिया है लेकिन खाद्य अधिकारी कही नहीं गये सिर्फ दो किराना दुकानदारो के सेम्पल भर कर चलते बने।आलमपुर कस्बे से हर दिन दूध से लधी आधा दर्जन गाड़िया गुजरती है अगर बास्तब मे कार्यवाही करना है तो इनको पकडे खाद्य बिभाग जो सरेआम मिलावटी दूध का कारोबार करते नजर आते है,आलमपुर मे जब तक बाहर की टीम कार्यवाही के लिए नहीं आएगी तब तक सही कार्यवाही होना मुश्किल है।

सालो बाद 2023 मे हुए थे सेम्पल फेल-तत्कालीन जिला कलेक्टर के निर्देश अनुसार जनवरी मे शिवा माँ डेरी पर हुई कार्यवाही मे सेम्पल फेल पाए गये थे इससे पहले खाद्य बिभाग की टीम ने कस्बे से कई बार दूध,मिस्ठान व अन्य सामग्री के सेम्पल लिए थे लेकिन कभी सेम्पल फेल नहीं हुए आखिर कलेक्टर के निर्देश पर हुई कार्यवाही मे सेम्पल फेल कैसे हो गये।इससे पहले क्यों नहीं हुए सवालिया निशान खड़ा होता है खाद्य बिभाग की पहले की गई कार्यवाही पर..ड़

पिछले तीन दिन से बाजार था बंद-जिले मे लगातार मिलावट खोरो पर हो रही कार्यवाही से चारो और मिलावट खोर सकते मे आलमपुर मे पिछले तीन चार दिन से मिठाई और नास्ते की दुकाने पूरी तरह से बंद है.वही कई अन्य खाद्य सामग्री की दुकाने भी बंद नजर आ रही है इससे स्पष्ट प्रतीत होता है कस्बे मे जमकर मिलावट का खेल खेला जा रहा है।

इनका कहना

1-आलमपुर आने मे थोड़ी देर हो गई है लोगो को कही से टीम आने की शायद जानकारी मिली है,जल्द दूध डेरियो और मिठाई की दुकानों पर कार्यवाही की जाएगी मिलावट खोरो को किसी भी सूरत मे बक्सा नहीं जायेगा।

रीना बंसल
खाद्य बिभाग भिंड

एसपीएल लीग सीजन 11 का आयोजन स्टार गोल्ड कल्याणी नगर टीम बनी चैम्पियन

दैनिक पुष्पाजली टुडे

पुणे - श्री आईजी स्पोर्ट्स क्लब पुणे के तत्वाधान में एसपीएल सीजन 11 क्रिकेट प्रतियोगिता का समापन सहकार नगर स्थित शिन्दे हाई स्कूल मैदान में किया गया। इस प्रतियोगिता में सीरवी समाज की कुल 10 टीमों ने भाग लिया था। खेले गये प्रीमियर लीग सीजन 11 का स्टार गोल्ड कल्याणी नगर ने रोचक फाइनल मुकाबले में टीम अथर्व केपीटल उदयपुर को हराकर जीता। फाइनल का मेन ऑफ द मेच कन्हैया गेहलोत रहे। कन्हैया गेहलोत ने दो ओवर में 18 रन देकर 4 विकेट लिए। बेस्ट बेटस्मेन भरत गेहलोत रहे। भरत ने 183 रन बनाए।बेस्ट फिल्डर उमेश चोयल रहे। प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट हीरा परमार जिन्होंने 165 रन बनाए और 6 विकेट लिए। बेस्ट सिक्स भरत गेहलोत रहे भरत ने 17 छक्के लगाए। बेस्ट फोर हीरा परमार रहे। इन्होंने 22 चोक्के लगाए। बेस्ट बॉलर सुरेश मुलेवा ने 16 विकेट हासिल किये। आयोजक स्पोर्ट्स क्लब पुणे की ओर से विजेता व उपविजेता टीमों व बेस्ट खिलाड़ियों को ट्रॉफि देकर सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अखिल भारतीय सीरवी समाज महाराष्ट्र प्रांत के अध्यक्ष दिनेश गेहलोत, महिला जिला परिषद सदस्य मंजु गेहलोत, सूर्या इलेक्ट्रॉनिक्स के प्रमुख रमेश लचेटा, महासचिव रामलाल काग,पंकिया भाई गेहलोत, बिबवेवाड़ी वडेर अध्यक्ष

हिरालाल राठौड़, नेहरू नगर वडेर के अध्यक्ष वागाराम हाम्बड, कोथरुड वडेर के अध्यक्ष लक्ष्मणराम, गोरपड़ी वडेर के अध्यक्ष जगदीश आगलेचा, हडंपसर वडेर के अध्यक्ष पेमाराम गेहलोत, कासरवाड़ी वडेर के सचिव उमेश गेहलोत, शिव सेना के युवा नेता भंवरलाल मुलेवा,उपाध्यक्ष खिवराज परमार एवं बिबवेवाडी वडेर के समस्त कार्यकारिणी पदाधिकारी एवं सदस्य । इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए श्री आईजी स्पोर्ट्स क्लब ने सभी अतिथियों और भामाशाहों का साफ़ा , मोमेंटो और गुलदस्ता देकर मान सम्मान किया गया । इस मौके पर सीरवी समाज की होनहार प्रतिभा फुटबॉल महिला खिलाड़ी पूर्णिमा गेहलोत का श्री आईजी स्पोर्ट्स क्लब की ओर से सम्मानित किया गया। पूर्णिमा गेहलोत का महाराष्ट्र फूटबॉल में चयनित हुआ। अन्त में श्री आईजी स्पोर्ट्स क्लब की और से सभी भामाशाहों , अतिथियों सभी टीमों के मालिकों और खिलाड़ियों और जिन्होंने भी इस प्रतियोगिता को सफल बनाने केलिए प्रत्यक्ष, अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग किया उन सभी को क्लब की और से बहुत बहुत धन्यवाद और आभार व्यक्त किया । ओर आशा करते हैं समाज के सहयोग से आने वाली सीजन और भी अच्छा करने की कोशिश रहेगा और सिरवी समाज पुणे का नाम जरुर रोशन करेंगे। उक्त जानकारी क्लब के सचिव एस.पी. चौधरी ने दी।

पैंटियम पॉइंट में तीन दिवसीय विज्ञान दिवस का समापन-

रीवा(पुष्पांजली टुडे)

।शहर में स्थित पैंटियम पॉइंट ग्रुप ऑफ़ इंस्टिट्यूशन में तीन दिवसीय विज्ञान दिवस का समापन पुरस्कार वितरण के साथ संपन्न हुआ। महाविद्यालय द्वारा प्रतिवर्ष 28 फरवरी को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का आयोजन छात्र -छात्राओं में बौद्धिक क्षमता तथा विज्ञान के क्षेत्र में जागरूकता और रुचि विकसित करने के लिए यह आयोजन किया जाता है।इस दिन ही देश के महान वैज्ञानिक सीवी रमन ने प्रकाश की फोटोन थ्योरी से जुड़ी एक अहम खोज की थी,जिसका पूरी दुनिया ने लोहा माना था।इसे %रमन इफेक?ट% के नाम से जाना जाता है। सीवी रमन को इस खोज के लिए नोबेल पुरस?कार से नवाजा गया था। यह खोज भौतिकी के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण योगदान थी। इस खोज की याद में ही साल 1987 से 28 फरवरी को नेशनल साइंस डे के रूप में मनाया जाता है। तीन दिवसीय विज्ञान दिवस की शुरुआत महाविद्यालय के करहिया परिसर में इस वर्ष की थीम विकसित भारत के लिए स्वदेशी तकनीकी के साथ 26 फरवरी से प्रारम्भ हुआ। प्रथम दिवस छात्र -छात्राओं द्वारा पीपीटी प्रेजेंटेशन की प्रस्तुति दी गई द्वितीय दिवस 27 फरवरी को पैंटियम ग्रुप ऑफ़ इंस्टिट्यूशन तथा सेंटर फॉर मेडिकल माइकोलॉजी फंगल डिजीज डायग्नोस्टिक एंड रिसर्च सेंटर जबलपुर के संयुक्त तत्वाधान में माइकोलॉजिस्ट जितेंद्र नवागे के निर्देशन पर कार्यशाला का आयोजन किया गया।पीपीटी प्रेजेंटेशन के टॉप 5 छात्रों की प्रस्तुति करवाई गई जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में रीवा शहर की वरिष्ठ शिक्षाविद सेवानिवृत प्राध्यापिका डॉ प्रवीण सिंह,मॉडल साइंस कॉलेज के वरिष्ठ प्राध्यापक

डॉ संतोष अग्निहोत्री तथा महाविद्यालय के मुख्य प्रबंध संचालक बी एन त्रिपाठी उपस्थित रहे। 28 फरवरी को महाविद्यालय परिसर में समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह मां सरस्वती की पूजा अर्चना के साथ प्रारंभ हुआ। महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा मॉडल एवं पोस्टर की प्रस्तुति दी गई,जिसमे महाविद्यालय द्वारा संचालित पैंटियम प्वाइंट टेक्निकल कॉलेज, पैंटियम प्वाइंट कॉलेज ऑफ़ मैनेजमेंट, पैंटियम पॉइंट कॉलेज ऑ? फार्मेसी के छात्र -छात्राओं ने सहभागिता दर्ज कराई। उपस्थित अतिथियों का स्वागत पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन को ध्यान में रखते हुए महाविद्यालय द्वारा पौधा भेंट कर किया गया।आज के इस कार्यक्रम में अतिथि के रूप में इंजी. राजेंद्र शर्मा संचालक शिल्पी इंफ्रा प्राइवेट लिमिटेड,महाराजा पुष्पराज सिंह,डॉक्टर एस के त्रिपाठी डीन कृषि महाविद्यालय रीवा, डॉ अभिलाषा श्रीवास्तव वरिष्ठ प्राध्यापिका मॉडल साइंस कॉलेज, डॉ अनिल तिवारी सेवानिवृत्त प्राध्यापक एवं अधिवक्ता, डॉ शेषमणि शुक्ला प्राचार्य न्यू साइंस कॉलेज,डॉ राजकिशोर तिवारी प्राध्यापक न्यू साइंस कॉलेज,डॉ निवेदिता अग्रवाल जीडीसी कॉलेज रीवा,बी एन त्रिपाठी मुख्य प्रबंध संचालक पीजीआई, शुभ्राशु पाण्डेय, डॉ मनोज पाण्डेय आदि उपस्थित रहे।अतिथियों द्वारा छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा गया कि विज्ञान के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए हर साल 28 फरवरी को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया जाता है। इस दिन को मनाने का खास मकसद उन वैज्ञानिकों के प्रयासों को याद करना है जो हमारे जीवन को सरल और आसान बनाने के तरीकों की खोज करते हैं। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाने का सबसे अच्छा तरीका यह समझना है कि विज्ञान और प्रौद्योगिकी ने किस तरह से प्रगति की है और उन स्थानों की खोज की है जहां तक पहुंचना नामुमकिन था। यह दिन वैज्ञानिक मुद्दों पर चर्चा करने, वैज्ञानिक विकास के लिए नई प्रौद्योगिकियों को लागू करने और दूसरों के बीच विज्ञान और प्रौद्योगिकी को प्रोत्साहित करने और लोकप्रिय बनाने का अवसर प्रदान करता है।महाविद्यालय के इस आयोजन की अतिथियों द्वारा प्रशंसा की गई तथा भविष्य में और बेहतर करने के लिए प्रेरित किया गया। विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्रथम द्वितीय तथा तृतीय आने वाले छात्राओं को अतिथियों द्वारा पुरस्कृत भी किया गया।महाविद्यालय के शैक्षणिक संचालक एसके त्रिपाठी, पैंटियम प्वाइंट टेक्निकल कॉलेज की प्राचार्या डॉ सीमा शुक्ला,पैंटियम पॉइंट टेक्निकल कॉलेज (कॉलेज ऑ? लॉ) के प्राचार्य डॉ पीएन शर्मा, पैंटियम पॉइंट कॉलेज ऑ? लॉ से डॉ मोना तिवारी महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक, सहायक प्राध्यापक तथा इस कार्यक्रम के संयोजक आशुतोष गुप्ता तथा छात्र -छात्रा, प्रिंट एवं डिजिटल मीडिया जगत के पत्रकार मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने लोकसभा निर्वाचन की तैयारियों की समीक्षा की

रीवा(पुष्पांजली टुडे)।

मध्यप्रदेश निर्वाचन आयोग के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन द्वारा वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से आगामी लोकसभा निर्वाचन की तैयारियों की समीक्षा की गयी। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने जिला निर्वाचन अधिकारी से जिले में निर्वाचन के संबंध में बिन्दुवार जानकारी प्राप्त की तथा आवश्यक दिशा निर्देश दिये। वीडियो कान्फ्रेंसिंग में लोकसभा निर्वाचन के लिए 1500 से अधिक मतदाता वाले मतदान केन्द्रों के सहायक मतदान केन्द्र बनाये जाने की कार्यवाही तथा मतगणना स्थल के प्रस्ताव की तैयारी के संबंध में जानकारी प्राप्त की गयी। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने मतदाता फोटो पहचान पत्रों के वितरण, नोडल अधिकारियों की नियुक्ति, निर्वाचन सामग्री की व्यवस्था, बलनरेबल मैपिंग, संपत्ति विरूपण, दल के गठन, रूटचार्ट के निर्धारण, शिकायत कक्ष एवं कंट्रोल रूम की स्थापना सहित अन्य विभिन्न बिन्दुओं पर विस्तार से जानकारी प्राप्त की तथा जिला निर्वाचन अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये। स्थानीय एनआईसी में इस दौरान कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती प्रतिभा पाल, उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्रेयस गोखले उपस्थित रहे।

रीवा जिले के 180221 किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की राशि जारी

प्रधानमंत्री ने वर्चुअल माध्यम से किसानों को जारी की किसान सम्मान निधि

रीवा(पुष्पांजली टुडे)।

जिले भर में 28 फरवरी को प्रधानमंत्री किसान उत्सव दिवस के रूप में मनाया गया। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने वर्चुअल माध्यम से रीवा जिले के प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के एक लाख 80 हजार 221 किसानों को दो-दो हजार रुपए की राशि जारी की। यह इस योजना की 16वीं किस्त है। कलेक्ट्रेट के बाणसागर सभागार में इस कार्यक्रम से वर्चुअल माध्यम से कमिश्नर रीवा संभाग गोपालचन्द्र डाड, कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल, नगर निगम अध्यक्ष श्री व्यंकटेश पाण्डेय, अपर कलेक्टर श्रीमती सपना त्रिपाठी, डिप्टी कलेक्टर श्रेयस गोखले तथा लाभान्वित किसान शामिल हुए।

कमिश्नर ने लोकार्पण तथा शिलान्यास के संबंध में दिए निर्देश

रीवा(पुष्पांजली टुडे)।

. प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 29 फरवरी को वर्चुअल माध्यम से प्रदेश भर में विकास कार्यों का लोकार्पण तथा भूमिपूजन करेंगे। इस कार्यक्रम में रीवा संभाग के सभी जिलों में निर्धारित स्थलों पर इसका सजीव प्रसारण दिखाया जाएगा। कार्यक्रम का सजीव प्रसारण शाम 4.30 बजे से 5.30 बजे तक दिखाया जाएगा। प्रधानमंत्री इस कार्यक्रम में वर्चुअल माध्यम से रीवा संभाग के निर्माण कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे। रीवा संभाग के कमिश्नर गोपालचन्द्र डाड ने संभाग के सभी जिलों के कलेक्टर्स को इस कार्यक्रम के लिए आवश्यक प्रबंध करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि कार्यक्रम प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में निर्धारित स्थलों पर आयोजित किए जा रहे हैं। इन कार्यक्रमों में सांसदगणों, विधायकगणों तथा अन्य जनप्रतिनिधियों की भागीदारी सुनिश्चित करें। प्रत्येक कार्यक्रम के लिए नोडल अधिकारी तैनात कर उनके माध्यम से कार्यक्रम का गरिमापूर्ण आयोजन कराएं।

गुड़ तहसीलदार एवं थाना प्रभारी का नशे के खिलाफ बड़ा एक्शन सरकारी संपत्ति में बना घर होगा जमीदोज

इस कार्यवाही पर क्षेत्र में नशा तस्करों पर मचा हड़कंप

रीवा(पुष्पांजली टुडे)।

जिले के गुड़ थाना क्षेत्र अंतर्गत महसांव चौड़ियार मोड़ में नेशनल हाईवे के किनारे लगातार हो रहे गांजा एवं कोरेक्स की बिक्री में नागेंद्र पटेल पिता रामाधार पटेल निवासी महसांव के कई आपराधिक रिकॉर्ड होने के बाद भी अपनी हरकतों से बाज न आने पर आज तहसीलदार गुड़ विनयमूर्ति शर्मा थाना प्रभारी शैल यादव नेशनल हाईवे 39 के इंजीनियर एवं राजस्व का अमला मौके पर पहुंचकर नेशनल हाईवे के किनारे बने घर का नापजोख करते हुए 3 दिन में अतिक्रमण हटाने एवं मादक पदार्थ की बिक्री बंद करने का नोटिस दिया गया है।

लोकसभा निर्वाचन के लिए नोडल अधिकारी समस्त कार्यवाही सुनिश्चित करें – कलेक्टर

जिला निर्वाचन अधिकारी ने नोडल अधिकारियों को दिए निर्देश

रीवा(पुष्पांजली टुडे)।

कलेक्ट्रेट के बाणसागर सभागार में आयोजित बैठक में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती प्रतिभा पाल ने लोकसभा चुनाव के तैयारियों की समीक्षा की। कलेक्टर ने कहा कि विधानसभा चुनाव की ही तरह लोकसभा चुनाव के लिए भी सभी नोडल अधिकारी पूर्ववत कार्य करेंगे। आवश्यक परिवर्तनों के साथ सभी नोडल अधिकारी अपनी टीम का गठन कर लें। निर्वाचन कार्यालय से आवंटित कार्य के संबंध में आवश्यक अभिलेख प्राप्त कर उनका भलीभाँति अध्ययन कर लें। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत मतदाता जागरूकता के कार्यक्रम जिले भर में आयोजित कराएं। मतदाता जागरूकता का दो माह का प्लान तैयार कर उसके अनुरूप कार्यक्रम आयोजित करें। युवाओं तथा महिला मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में शामिल करने के लिए व्यापक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करें।

कलेक्टर ने कहा कि उप जिला निर्वाचन अधिकारी सेक्टर अधिकारियों की विधानसभावार सूची दो दिवस में जारी कर दें। सेक्टर अधिकारियों के माध्यम से मतदान केन्द्रों का सत्यापन कराएं। मतदाता सूची में पात्र व्यक्तियों के नाम जोड़ने और मृत व्यक्तियों के नाम पृथक करने की कार्यवाही भी प्राथमिकता से करें। दिव्यांग मतदाताओं की सूची तैयार कर उनकी मैपिंग करा दें। जिला सूचना विज्ञान अधिकारी अधिकारियों और कर्मचारियों का डाटाबेस अपडेट

करा दें जिससे मतदान दल गठन में किसी भी तरह की कठिनाई न हो। नोडल अधिकारी प्रशिक्षण चुनाव प्रशिक्षण का पूरा कार्यक्रम तैयार कर लें। मार्च माह के प्रथम सप्ताह में सभी नोडल अधिकारियों, सेक्टर ऑफीसर तथा बीएलओ का प्रशिक्षण संपन्न करा दें। निर्वाचन का कार्यक्रम निर्धारित होने के बाद मतदान कर्मियों का प्रशिक्षण आयोजित करें।

कलेक्टर ने कहा कि लोकसभा निर्वाचन में डाक मतपत्रों की संख्या विधानसभा चुनाव की तुलना में कम रहेगी। अधिकांश अधिकारी और कर्मचारी इसी लोकसभा क्षेत्र के मतदाता हैं। इसलिए इन्हें ईडीसी निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार जारी करना होगा। उप जिला निर्वाचन अधिकारी चुनाव सामग्री की आपूर्ति तथा अन्य व्यवस्थाओं के संबंध में सभी तरह के टेण्डर जारी करा दें। फ्लाइंग स्क्वाड तथा एसएसटी के गठन की कार्यवाही शुरू कर दें। पुलिस विभाग से समन्वय बनाकर जाँच नाकों की स्थापना कराएं। कलेक्टर ने ईव्हीएम के संचालन, मतदान केन्द्रों की व्यवस्था, वाहन व्यवस्था, भोजन व्यवस्था, प्रेक्षकों के लिए आवश्यक व्यवस्था के संबंध में अधिकारियों को निर्देश दिए। बैठक में उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्रेयस गोखले, संयुक्त कलेक्टर आरके सिन्हा तथा सभी नोडल अधिकारी उपस्थित रहे।

जिले में 6 नगरीय निकायों में होगा 29 फरवरी के कार्यक्रम सजीव प्रसारण,प्रधानमंत्री आज वर्चुअली करेंगे 943 कार्यों का लोकार्पण तथा शिलान्यास

रीवा(पुष्पांजली टुडे)।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 29 फरवरी को वर्चुअल माध्यम से प्रदेश भर में विकास कार्यों का लोकार्पण तथा भूमिपूजन करेंगे। इस कार्यक्रम का रीवा जिले में 6 नगरीय निकायों में सजीव प्रसारण दिखाया जाएगा। कार्यक्रम का सजीव प्रसारण शाम 4.30 बजे से 5.30 बजे तक दिखाया जाएगा। प्रधानमंत्री इस कार्यक्रम में वर्चुअल माध्यम से रीवा जिले में विभिन्न विभागों के 943 निर्माण कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे। इस संबंध में कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने बताया कि विधानसभा क्षेत्र रीवा में जिला स्तरीय कार्यक्रम नगर निगम के टाउनहाल में आयोजित किया जाएगा। इसके लिए आयुक्त नगर निगम श्रीमती संस्कृति जैन को नोडल अधिकारी बनाया गया है। विधानसभा क्षेत्र गड़ में ग्राम मड़वा में कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इसके लिए एसडीएम गुढ़ अनुराग तिवारी को नोडल अधिकारी बनाया गया है। विधानसभा क्षेत्र सेमरिया का कार्यक्रम नगर परिषद सभागार सेमरिया में आयोजित किया जा रहा है। इसमें सांसद श्री जनार्दन मिश्र तथा अन्य जनप्रतिनिधि शामिल होंगे। इस कार्यक्रम के लिए अपर कलेक्टर सपना त्रिपाठी को नोडल अधिकारी बनाया गया है। विधानसभा क्षेत्र मनगवां का कार्यक्रम जनपद सभागार गंगेव में आयोजित किया जा रहा है। इसके लिए संयुक्त कलेक्टर आरके सिन्हा को नोडल अधिकारी बनाया गया है। विधानसभा क्षेत्र त्योंथर का कार्यक्रम रेस्ट हाउस त्योंथर में आयोजित किया जा रहा है। इसके लिए संयुक्त कलेक्टर पीके पाण्डेय प्रभारी अधिकारी बनाए गए हैं। विधानसभा क्षेत्र सिरमौर का कार्यक्रम डभौरा नगर परिषद में आयोजित किया जा रहा है। इसके लिए डिप्टी कलेक्टर श्रेयस गोखले को प्रभारी अधिकारी बनाया गया है। सभी अधिकारी शासन के निर्देशों के अनुरूप कार्यक्रमों का गरिमापूर्ण आयोजन करकेप्रतिवेदन प्रस्तुत करें।

प्रधानमंत्री वर्चुअली आज करेंगे निर्माण कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास लोकार्पण और शिलान्यास कार्यक्रम गरिमापूर्ण ढंग से आयोजित करें - कलेक्टर

रीवा(पुष्पांजली टुडे)।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 29 फरवरी को शाम 4.30 बजे से आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश भर के विभिन्न योजनाओं से स्वीकृत निर्माण कार्यों का वर्चुअल माध्यम से लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे। इस कार्यक्रम में रीवा जिले के 943 निर्माण कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास किया जा रहा है। जिला स्तरीय कार्यक्रम नगर निगम के टाउनहाल में आयोजित किया जा रहा है। इसके साथ-साथ सभी 6 विधानसभा क्षेत्रों में भी लोकार्पण और शिलान्यास के कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने बाणसागर सभागार में आयोजित बैठक में कार्यक्रम के तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि लोकार्पण और शिलान्यास के कार्यक्रम गरिमापूर्ण ढंग से आयोजित कराएं। इनमें प्रधानमंत्री श्री मोदी के उद्बोधन के सजीव प्रसारण तथा निर्माण कार्यों के वर्चुअल लोकार्पण एवं शिलान्यास की उचित व्यवस्था करें। कार्यक्रम में अधिक से अधिक व्यक्तियों को लाभान्वित करने का प्रयास करें। कलेक्टर ने कहा कि जिला स्तरीय कार्यक्रम में नवनियुक्त पटवारियों को नियुक्ति आदेश का भी वितरण किया जाएगा। इसके साथ-साथ धारणाधिकार अधिनियम तथा आवासीय भू अधिकार पट्टों का भी पात्र हितग्राहियों को वितरण कराएं। प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में आयोजित कार्यक्रम में विधायकगण शामिल होंगे। सांसद श्री जनार्दन मिश्र नगर परिषद सेमरिया में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होंगे। विधानसभा क्षेत्र सिरमौर का कार्यक्रम डभौरा में आयोजित किया जा रहा है। डिप्टी कलेक्टर श्रेयस गोखले तथा सीएमओ डभौरा कार्यक्रम के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं करें। गुड़ विधानसभा क्षेत्र का कार्यक्रम ग्राम मड़वा तथा मनगवां विधानसभा क्षेत्र का कार्यक्रम गंगेव में आयोजित किया जा रहा है। संबंधित अधिकारी इसके लिए आवश्यक व्यवस्थाएं करें। सांसदगण, विधायकगण, जिला पंचायत अध्यक्ष तथा अन्य जनप्रतिनिधियों को कार्यक्रम की सूचना देने के साथ कार्यक्रम में उपस्थित रहने का अनुरोध करें। बैठक में आयुक्त नगर निगम श्रीमती संस्कृति जैन ने कहा कि रीवा विधानसभा क्षेत्र का कार्यक्रम नगर निगम टाउनहाल में आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम में विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को लाभान्वित किया जाएगा। कार्यक्रम में नवनियुक्त पटवारी, विभिन्न योजनाओं से भू अधिकारी पत्र प्राप्त करने वाले हितग्राही, प्रधानमंत्री आवास योजना तथा उद्योग विभाग की विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित हितग्राही एवं किसान सम्मान निधि से लाभन्वित हितग्राही भी शामिल होंगे। मुख्यमंत्री कन्यादान योजना से इस वर्ष लाभान्वित युगलों को कार्यक्रम में शामिल किया जाएगा। बैठक में अपर कलेक्टर श्रीमती सपना त्रिपाठी, संयुक्त कलेक्टर पीके पाण्डेय, संयुक्त कलेक्टर आरके सिन्हा, डिप्टी कलेक्टर श्रेयस गोखले तथा संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

रीवा में सामने आया हिट एंड रन का केस, बाइक सवार युवक की मौत सीधी में पेड़ से टकराई बस, 15 से अधिक यात्री घायल

रीवा/सीधी। शहर के अमहिया थाना क्षेत्र अंतर्गत सोमवार की देर रात एक भीषण सड़क हादसा हो गया, जिसमे बाइक सवार एक युवक को पीछे से आ रही एक बेलगाम तेज रफ्तार कार ने जोरदार टक्कर मार दी टक्कर इतनी जबरदस्त थी की बाइक सवार युवक हवा में उछल गया और इसके बाद सीधा डिवाइडर से जा टकराया जिससे उसकी घटना स्थल पर ही मौत हो गई। घटना के बाद कार चालक ने भागने का प्रयास किया लेकिन उसके कार का अगला टायर फट गया और कार बीच रास्ते में ही खड़ी हो गई। इस दौरान कार सवार युवक कार छोड़कर घटनास्थल से फरार हो गया। इसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थनीय लोगों की मदद से कार को धक्का मारकर सड़क से किनारे किया।

टक्कर इतनी जबरदस्त थी की युवक हवा में उछलकर डिवाइडर से टकराया- प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक टक्कर इतनी जबरदस्त थी की बाइक सवार युवक पहले हवा में उछला इसके बाद डिवाइडर से जा टकराया जिससे बाइक सवार युवक के सिर पर गंभीर चोंट लगी और घटनास्थल पर ही उसकी दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से मृतक के शव को एम्बुलेंस में रखवाया और शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भिजवा दिया मृतक युवक कौन है, कहां का रहने वाला है पुलिस इसका पता लगा रही है। इसके अलावा पुलिस की टीम कार चालक की भी तलाश करने में जुटी हुइ है।

सीधी में पेड़ से टकराई बस, 15 से अधिक यात्री घायल-उधर, सीधी में एक पेड़ से यात्री बस टकरा गई जिसमें 15 से अधिक यात्री घायल हो गये। सभी घायलों का इलाज अस्पताल में चल रहा है। ये घटना बीती रात की बताई जा रही है। सीधी जिले के जमोड़ी थाने के अंतर्गत पनवार हायर सेकंडरी स्कूल के पास सतना से सीधी आ रही यात्री बस (एमपी 19 पी 3092) अनियंत्रित होकर पेड़ से जा टकराई हादसे में बस में सवार करीब डेढ़ दर्जन यात्री घायल हो गए हैं घायलों को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।वही, जिला अस्पताल में थाना प्रभारी अभिषेक उपाध्याय ने बताया कि घटना सोमवार की रात करीब 10.15 बजे की है। पेड़ से टकराने के बाद यात्री बस के आगे का हिस्सा पूरी तरह से चिपक गया था, जिससे कुछ यात्री बस में ही फंस गए थे मौके पर पहुंचे जमोड़ी थाना प्रभारी विशाल शर्मा सहित जमोड़ी पुलिस बल द्वारा गैस कटर मशीन मंगाकर बस की क्षतिग्रस्त बॉडी को कटवाया गया इसके बाद फंसे चार यात्रियों को बाहर निकाला जा सका घायलों में करीब 6 यात्रियों को गंभीर रूप से चोट आई है।

जन सुनवाई में 34 आवेदनों में हुई सुनवाई

रीवा(पुष्पांजली टुडे)

।कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित जन सुनवाई में आमजनता से प्राप्त 34 आवेदन पत्रों में सुनवाई की गई। संयुक्त कलेक्टर पीके पाण्डेय, संयुक्त कलेक्टर आरके सिन्हा तथा डिप्टी कलेक्टर श्रेयस गोखले ने आमजनता के आवेदनों में सुनवाई की। जन सुनवाई में ग्राम सिलपरा निवासी दशरथराम चतुर्वेदी ने जमीन के मुआवजे के लिए आवेदन दिया। एसडीएम हुजूर को आवेदन पत्र में कार्यवाही के निर्देश दिए गए। बिपिन तिवारी रीवा ने बसामन मामा गौ अभ्यारण्य में उनके द्वारा सांसद निधि से बनाए गए पशु शेड निर्माण की राशि के लिए आवेदन किया। प्रभारी अधिकारी क्षेत्र विकास निधि को आवेदन में कार्यवाही के निर्देश दिए गए। खेरूनिशा निवासी बिछिया ने उनकी निजी जमीन पर शौचालय निर्माण में बाधा डालने वालों पर कार्यवाही करने तथा अवैध कब्जा हटाने के लिए आवेदन दिया। तहसीलदार हुजूर को प्रकरण में कार्यवाही के निर्देश दिए गए। जन सुनवाई में रामसुशील पाण्डेय निवासी ग्राम प2आ ने अतिथि शिक्षक के मानदेय भुगतान के लिए आवेदन दिया। जिला शिक्षा अधिकारी को लंबित आवेदन के भुगतान के निर्देश दिए गए। मुन्नीबाई कुशवाहा निवासी मझिगवां ने कपिलधारा कूप की शेष राशि के लिए आवेदन दिया। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत को कार्यवाही के लिए आवेदन पत्र प्रेषित किया गया। चिंतामणि निवासी गोरगांव ने जमीन के बंटवारे तथा सीमांकन के लिए आवेदन दिया। एसडीएम मनगवां को प्रकरण में कार्यवाही के निर्देश दिए गए। श्रीनिवास पाण्डेय निवासी पुर्वा ने जमीन के अभिलेख के संबंध में हाईकोर्ट के द्वारा पारित आदेश को पालन कराने के लिए आवेदन दिया। अधीक्षक भू अभिलेख को आवेदन में कार्यवाही के निर्देश दिए गए। रामसुंदर कुर्मी निवासी ग्राम बसरेही ने दबंगों के कब्जे से जमीन मुक्त कराने तथा आम रास्ता बहाल कराने के लिए आवेदन दिया। एसडीएम जवा को आवेदन में तत्काल कार्यवाही के निर्देश दिए गए।

संपादक की कलम से

पहले धरती को बचाएं

जिस प्रकार हमने रसायनों का अंधाधुंध इस्तेमाल करके अपने भोजन को पोषण-विहीन बना दिया है, ठीक उसी प्रकार आधुनिक और सुविधाजनक जीवनशैली के लिए पर्यावरण को प्रदूषित कर दिया है। हम नादानों की तरह जंगलों की कटाई कर रहे हैं। बेशकीमती पानी को सहेजने की जगह उसका अंधाधुंध दोहन करने में लगे हुए हैं। पहाड़ों को भी हमने नहीं छोड़ा है जो कि हमारे रक्षा कवच हैं। शहर-दर-शहर पहाडि?ों को छलनी कर दिया है। चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सफलतापूर्वक उतरने वाला भारत जब तकनीक में इतना संपन्न है तो धरती पर यह तकनीक काम क्यों नहीं करती? पिछली गर्मी में बारिश के कारण किसानों की फसलें खराब हो गई थीं, जबकि मानसून में कहीं सूखे के कारण तो कहीं अधिक वर्षा के कारण किसानों की फसलों को बहुत नुकसान हुआ। ऐसे में किसानों के इस नुकसान का पूवार्नुमान लगाने वाली कोई तकनीक अभी तक हमारे पास क्यों नहीं है? जलवायु परिवर्तन ने अपने तेवर दिखाना शुरू कर दिया है। आने वाले सालों में यह और भी खतरनाक हो सकता है। अभी हमारे देश के कुछ राज्य सूखे का सामना कर रहे हैं तो कई राज्यों को अधिक वर्षा के कारण बाढ़ और भू-स्खलन की घटनाओं का सामना करना पड़ रहा है। ऐसा नहीं है कि जलवायु परिवर्तन का असर सिर्फ भारत में ही हो रहा है। पूरी दुनिया में जलवायु परिवर्तन का असर हो रहा है जिसके कारण दुनियाभर के लोग इससे प्रभावित हो रहे हैं।

गौरतलब है कि जलवायु परिवर्तन से किसानों को सबसे ज्यादा परेशानी का सामना करना पड़ेगा, खासकर उन किसानों को जिनके पास खेती के अलावा और कोई आजीविका नहीं है। मतलब छोटे और मध्यम किसानों पर इसका सीधा प्रभाव पड़ेगा, जिसके कारण न सिर्फ इनके परिवार संकट में आएंगे, बल्कि खेती-किसानी से जुड़े सभी लोग प्रभावित होंगे और खाद्यान्न संकट पैदा होगा सो अलग। जलवायु परिवर्तन के कारण किसानों की फसलें खराब हो रही हैं जिससे खाद्य सामग्रियों के दाम अप्रत्याशित रूप से बढ़ रहे हैं।

जलवायु परिवर्तन की समस्या से निजात पाने में हर व्यक्ति को अपना योगदान देना होगा। चूंकि इस समस्या के उत्पन्न होने में हर व्यक्ति का हाथ है, इसलिए इसके समाधान में भी हर व्यक्ति को भागीदार होना होगा। जिस प्रकार से हमने पर्यावरण को बर्बाद करने में कोई कसर नहीं छोड़ी, ठीक वैसे ही हम सबको पर्यावरण को ठीक करने के लिए कमर कस लेना चाहिए।

यदि अभी भी आप इस समस्या को हल्के में लेना चाहते हैं तो भविष्य में आने वाले खतरों का सामना करने के लिए तैयार रहें। महंगाई से मुकाबला करने के लिए तैयार रहें, खाद्यान्न संकट के लिए तैयार रहें, जल संकट के लिए तैयार रहें, सूखे के लिए तैयार रहें, बाढ़ के लिए तैयार रहें, भीषण गर्मी के लिए तैयार रहें, भू-स्खलन के लिए तैयार रहें, नई-नई बीमारियों के लिए तैयार रहें।

दूसरा विकल्प यह है कि आप अपनी जीवन-शैली में परिवर्तन करें और प्रकृति को नुकसान पहुंचाने वाली आदतें त्यागें। विकास का जो बेढंगा मॉडल अभी दुनिया भर में चल रहा है, उस पर पुनर्विचार करें। जंगलों और पहाड़ों पर मानवीय हस्तक्षेप की रोकथाम करें। प्रकृति का चीरहरण बंद करें अन्यथा प्रकृति की व्यवस्था में देर तो है, परंतु अंधेर बिलकुल भी नहीं है। पूरी दुनिया तभी तक बची हुई है जब तक प्रकृति का धैर्य है, जिस दिन यह धैर्य टूटा कि प्रकृति का तांडव देखने को मिलेगा।

ऐसा नहीं है कि जलवायु परिवर्तन का संकट सिर्फ एक दिन में खड़ा हो गया है और एक दिन में इसका हल निकल जाएगा। यह धीरे-धीरे होने वाली एक घटना है और इसका समाधान भी धीरे-धीरे ही होगा। वैसे तो देश-विदेश की सारी समस्याओं की चर्चा आमजन कर ही लेते हैं, परंतु जलवायु परिवर्तन पर चर्चा करने के लिए किसी के पास समय नहीं है, बल्कि कहना चाहिए कि जलवायु परिवर्तन की समस्या को आमजन कोई समस्या ही नहीं मानते। इसीलिए यह समस्या इतनी विकराल हो गई है।

जैसे भोजन की गुणवत्ता पर किसी का ध्यान नहीं है, वैसे ही जलवायु परिवर्तन पर भी किसी का ध्यान नहीं है। 'हरित क्रांति' के बाद हमारे देश में रसायन आधारित खेती के कारण शुद्ध और पोषणयुक्त भोजन का अभाव हो गया है। हमारा देश ही नहीं, अपितु विश्वभर के लोग रसायनयुक्त भोजन करने पर मजबूर हैं। जिस भोजन से जीवन चलना है उस पर किसी का ध्यान ही नहीं कि उसे किस विधि से उत्पादित किया जा रहा है या उसको उपजाने में कितने जहरीले रसायनों का इस्तेमाल हो रहा है। इसी कारण विभिन्न बीमारियों का जन्म हो रहा है।

जिस प्रकार हमने रसायनों का अंधाधुंध इस्तेमाल करके अपने भोजन को पोषण-विहीन बना दिया है, ठीक उसी प्रकार आधुनिक और सुविधाजनक जीवनशैली के लिए पर्यावरण को प्रदूषित कर दिया है। हम नादानों की तरह जंगलों की कटाई कर रहे हैं। बेशकीमती पानी को सहेजने की जगह उसका अंधाधुंध दोहन करने में लगे हुए हैं। पहाड़ों को भी हमने नहीं छोड़ा है जो कि हमारे रक्षा कवच हैं। शहर-दर-शहर पहाड़ियों को छलनी कर दिया है।

भारत राष्ट्र के क्रांतिनायक वीर सावरकर

वीर सावरकर जीवन भर अखंड भारत के पक्षधर रहे। 13 दिसंबर 1937 को नागपुर की एक जनसभा में उन्होंने अलग पाकिस्तान के लिए चल रहे प्रयासों को असफल करने की प्रेरणा दी और 15 अगस्त 1947 को भारतीय तिरंगा का ध्वजारोहण करते हुए कहा कि मुझे स्वराज प्राप्ति की खुशी है, किंतु वह खंडित है, इसका दुख है। उन्होंने कहा कि राज्य की सीमाएं, नदी तथा पहाड़ों या संधिपत्रों से निर्धारित नहीं होती, वे देश के नवयुवकों के शौर्य, धैर्य, त्याग एवं पराक्रम से निर्धारित होती है। वीर सावरकर ऐसे प्रथम राजनीतिक बंदी थे जिन्हें विदेशी भूमि (फ्रांस) पर बंदी बनाने के कारण हेग के अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय में मामला पहुंचा। दुनिया के वे ऐसे पहले कवि थे जिन्होंने अंडमान के कठोर कारावास में जेल की दीवरों पर कील और कोयले से राष्ट्रवादी कविताएं लिखी। ब्रिटिश सरकार ने वीर सावरकर को क्रांति कार्यों के लिए दो-दो आजन्म कारावास की सजा दी, जो विश्व के इतिहास की पहली एवं अनोखी सजा थी। वे विश्व के पहले ऐसे लेखक थे जिनकी कृति ह्यद इंडियन वॉर आर्फ इंडिपेंडेस-1857ह्व दो-दो देशों ने प्रकाशन से पहले ही प्रतिबंधित कर दिया।

गौरतलब है कि जून 1908 में उनकी पुस्तक तैयार हो गयी किंतु मुद्रण की समस्या आ गयी। इसके लिए लंदन से लेकर पेरिस और जर्मनी तक प्रयास किए किंतु सभी प्रयास असफल रहे। बाद में यह पुस्तक किसी प्रकार गुप्त रुप से हालैंड से प्रकाशित हुई और इसकी प्रतियां फ्रांस पहुंचायी गयी। सावरकर पहले स्नातक थे जिनकी स्नातक की उपाधि को स्वतंत्रता आंदोलन में भाग लेने के कारण ब्रिटिश हुकूमत ने वापस ले लिया।

वीर सावरकर पहले ऐसे भारतीय विद्यार्थी थे जिन्होंने इंग्लैंड के राजा के प्रति वफादारी की शपथ लेने से मना किया। नतीजा उनके वकालत करने पर रोक लगा दी गयी। वीर सावरकर ने राष्ट्रध्वज तिरंगे के बीच में धर्म चक्र लगाने का सर्वप्रथम सुझाव दिया जिसे डा0 राजेंद्र प्रसाद ने स्वीकार किया। उन्होंने ही सबसे पहले पूर्ण स्वतंत्रता को भारत के स्वतंत्रता आंदोलन का लक्ष्य घोषित किया। 10 मई, 1907 को उन्होंने इंडिया हाउस लंदन में प्रथम भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की स्वर्ण जयंती मनाई। इस अवसर पर उन्होंने अपने ओजस्वी भाषण में प्रमाणों सहित 1857 के स्वतंत्रता संग्राम को गदर नहीं, अपितु भारत के स्वातंत्रय का प्रथम संग्राम सिद्ध किया।

वीर सावरकर भारत ही नहीं बल्कि विश्व भर के क्रांतिकारियों में अद्वितीय थे। उनका नाम ही भारतीय क्रांतिकारियों के लिए संदेश था। उनकी पुस्तकें क्रांतिकारियों के लिए गीता समान थी। लंदन में रहते हुए उनकी मुलाकात क्रांतिकारी लाला हरदयाल से हुई जो उन दिनों इंडिया हाउस की देखरेख करते थे। 1 जुलाई, 1909 को मदनलाल ढ़ींगरा द्वारा विलियम हट कर्जन वायली को गोली मार दिए जाने के बाद उन्होंने लंदन टाइम्स में एक लेख भी लिखा जो क्रांतिकारिता से परिपूर्ण था। 13 मई 1910 को पेरिस से लंदन पहुंचने पर उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया परंतु 8 जुलाई 1910 को एसएस मोरिया नामक जहाज से भारत ले जाते समय सीवर होल के रास्ते निकल लिए। 24 दिसंबर 1910 को उन्हें आजीवन कारावास की सजा दी गयी। इसके बाद 31 जनवरी 1911 को इन्हें दोबारा आजीवन कारावास दिया गया। 1921 में मुक्त होने पर वह स्वदेश लौटे और फिर तीन साल जेल काटी। जेल में ही उन्होंने हिंदुत्व पर शोध ग्रंथ लिखा। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान वे 1937 में अखिल भारतीय हिंदू महासभा के कर्णावती में हुए 19 वें सत्र के अध्यक्ष चुने गए। 15 अप्रैल 1938 को उन्हें मराठी साहित्य सम्मेलन का अध्यक्ष चुना गया। 22 जून 1941 को उनकी मुलाकात सुभाषचंद्र बोस से हुई। 9 अक्टुबर 1942 को भारत की स्वतंत्रता के निवेदन सहित उन्होंने चर्चिल को तार भेजकर सूचित किया। दुर्भाग्य पूर्ण की आजादी के बाद भी कांग्रेस उनसे नफरत करती रही और नेहरु सरकार ने 5 फरवरी 1948 को उन्हें प्रिवेन्टिव डिटेन्शन एक्ट धारा के अंतर्गत गिरफ्तार कर लिया। 4 अप्रैल 1950 को पाकिस्तानी प्रधानमंत्री लियाकत अली खान के भारत आगमन की पूर्व संध्या पर भी बेलगाम की जेल में उन्हें रोककर रखा गया। जुझारु तेवर और मातृभूमि के प्रति असीम श्रद्धा के कारण ही उन्हें वीर सावरकर कहा गया। नासिक जिले के कलेक्टर जैकसन की हत्या के लिए नासिक षड़यंत्र कांड के अंतरगत उन्हें 7 अप्रैल 1911 को काला पानी की सजा पर सेलुलर जेल भेजा गया। उन्हें यहां कोल्हू में बैल की तरह जुत कर सरसों तथा नारियल आदि का तेल निकालना होता था। रुकने पर उनको कड़ी सजा व बेंत व कोड़ों से पिटायी की जाती थी। इतने पर भी उन्हें भरपेट खाना नहीं दिया जाता था। वे 4 जुलाई 1911 से 21 मई 1921 तक पोर्ट ब्लेयर की जेल में रहे और भारत माता की आजादी का सपना देखते रहे। कुल मिलाकर वीर सावरकर 5585 दिन प्रत्यक्ष कारागार में और 4865 दिन नजरबंदी में रहे। दोनों को जोड़ दें तो वे 10410 दिन यानी 28 वर्ष 200 दिन तक जेल में रहे। वीर सावरकर स्वतंत्रता संग्राम के दौरान खिलाफत आंदोलन का विरोध किया और इसके घातक परिणामों की चेतावनी दी। इससे इंकार नहीं किया जा सकता कि खिलाफत आंदोलन से ही पाकिस्तान नामक विष वृक्ष की नींव पड़ी। आइए हम बताते हैं कि कांग्रेस समेत तथाकथित सेक्यूलर वीर सावरकर और उनकी विचारधारा का विरोध क्यों करते हैं। दरअसल सावरकर ने 1946 के अंतरिम चुनावों के दौरान देश के जनमानस को आगाह किया कि वह कांग्रेस को वोट न दे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को वोट देने का अर्थ है भारत विभाजन। सावरकर सच साबित हुए। कांग्रेस का सावरकर से नफरत का एक अन्य कारण यह भी है कि उन्होंने हिंदू राष्ट्र की उस विचारधारा को आगे बढ़ाने का काम किया जो सदियों से वसुधैव कुटुम्बकम की हिमायती है। कांग्रेस को इस बात से भी चिढ़ है कि वीर सावरकर ने हिंदू राष्ट्र के विजय के इतिहास को प्रमाणिक ढंग से लिपिबद्ध क्यों किया? याद होगा तीन वर्ष पूर्व 2019 में जब महाराष्ट्र चुनाव के लिए भाजपा के संकल्प पत्र में स्वतंत्रता सेनानी विनायक दामोदर सावरकर को भारत रत्न देने का वादा किया गया तब कांग्रेसी नेता दिग्विजय सिंह समेत कई लोगों ने सावरकर को महात्मा गांधी की हत्या का साजिशकर्ता करार दिया। गत वर्ष पहले सावरकर के शहीदी दिवस के दिन कांग्रेस पार्टी ने ट्वीट के जरिए जारी एक तस्वीर में स्वंतत्रता सेनानी वीर सावरकर को गद्दार बताकर उनकी राष्ट्रभक्ति का अपमान किया। तब कांग्रेस ने जारी तस्वीर के हवाले उन्हें गद्दार बताते हुए 1913 में अंडमान स्थित सेल्यूलर जेल से उनकी एक तथाकथित चिठ्ठी का भी जिक्र किया था जिसमें उन्होंने ब्रिटिश सरकार से रिहाई की मांग की थी।

बेहतर होता कि कांग्रेस वीर सावरकर की शहादत को लांक्षित करने के बजाए उनका इतिहासपरक मूल्यांकन करती। कांग्रेस का ऐसा अपमानजनक आचरण तब है जब पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा वीर सावरकर के सम्मान में डाक टिकट जारी किया जा चुका है। उचित होगा कि कांग्रेस वामपंथी इतिहासकारों की सांप्रदायिक लेखनी और जुगाली पर भरोसा के बजाए ह्यद इंडियन वॉर आर्फ इंडिपेंडेस-1857ह्व जो कि खुद सावरकर द्वारा लिखित है, से उनके विचारों और खोजपूर्ण इतिहास का अध्ययन करती। कांग्रेस को याद रखना चाहिए कि जिस 1857 की क्रांति को वह सिपाही विद्रोह या अधिकतम भारतीय विद्रोह करार दी और अधिकांश वामपंथी इतिहासकारों ने उसे ब्रिटिश साम्राज्य के विरुद्ध विद्रोह माना उस क्रांति को वीर सावरकर ने प्रथम भारतीय स्वतंत्रता संग्राम कहा। अच्छी बात है कि देश की मौजूदा सरकार वीर सावरकर के प्रति कृतज्ञ है और उनके विचारों को देश के समक्ष लाने के लिए कृतसंकल्प है।

अरविंद जयतिलक
(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।)

लोकतंत्र में जानने का अधिकार

विनीत नारायण

किसी भी स्वस्थ लोकतंत्र में मतदाता और नेता के बीच यदि विश्वास ही न हो तो वो रिश्ता ज्यादा लम्बा नहीं चलता। लोकतंत्र में हर एक चुना हुआ जनप्रतिनिधि अपने मतदाता के प्रति जवाबदेही के लिए बाध्य होता है। यदि मतदाता को लगे कि उससे कुछ छुपाया जा रहा है तो वो ठगा सा महसूस करता है। लोकतंत्र या जनतंत्र का सीधा मतलब ही यह होता है कि जनता की मजी से चुने गये सांसद या विधायक उनकी

आवाज उठाएँगे और उनके ही हक में सरकार चलाएँगे। यदि मतदाताओं को ही अंधेरे में रखा जाएगा तो दल चाहे कोई भी हो दोबारा सत्ता में नहीं आ सकता। परंतु पिछले सप्ताह देश की शीर्ष अदालत ने एक ऐसा फैसला सुनाया जिसने देश के करोड़ों मतदाताओं के बीच उम्मीद की किरण जगा दी। इलेक्टोरल बॉंड्स के जरिये राजनैतिक दलों को दिये जाने वाले चुनावी चंदे को लेकर देश भर में एक भ्रम सा फैला हुआ था। जिस तरह इन बॉंड्स के जरिये दिये जाने वाले चुनावी चंदे की जानकारी सार्वजनिक नहीं की जा रही थी उसे लेकर भी जनता के मन में काफी संदेह था। जिस तरह से विपक्षी नेता सत्तापक्ष

पर आरोप लगा रहे थे कि कुछ औद्योगिक घराने सत्तारूढ़ दल को भारी मात्रा में ह्यचुनावी चंदाह्न दे रहे थे वो असल में चुनावी चंदा नहीं बल्कि सरकार द्वारा अपने हक में नीतियाँ बनवाने की रिश्वत है। विपक्ष का ऐसा कहना इसलिए सही नहीं है क्योंकि कोई भी दल सत्ता में क्यों न हो बड़े औद्योगिक घराने हमेशा से यही करते आए हैं कि वे सरकार से अच्छे संबंध बना कर रखते हैं। वो अलग बात है कि इन बड़े घरानों द्वारा दिये गये राजनैतिक चंदे की पोल कभी न कभी खुल ही जाती थी। परंतू देश की सर्वोच्च जानकारी को साझा न करने के निर्णय को गलत ठहराया और इलेक्टोरल बॉंड्स को रद्द कर दिया। इतना ही नहीं आनेवाले तीन हफ़्तों में चुनाव आयोग को यह निर्देश भी दे डाले कि इलेक्टोरल बॉंड्स द्वारा दिये गये चंदे की पूरी जानकारी को सार्वजनिक किया जाए। विपक्षी दलों, वकीलों, बुद्धिजीवियों और राजनैतिक पंडितों द्वारा इस फैसले का भरपूर स्वागत किया जा रहा है। यहाँ हम किसी भी एक विशेष राजनैतिक दल की बात नहीं करेंगे। बड़े औद्योगिक घराने हर उस दल को वित्तीय सहयोग देते आए हैं जो कि सरकार बनाने के काबिल होता है। परंतु सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका के अनुसार यदि यह चुनावी चंदा था तो क्या सभी पार्टियों ने इसे चुनाव के लिए ही इस्तेमाल किया? क्या चुनाव आयोग के तय नियमों के अनुसार बड़े राजनैतिक दलों के प्रत्याशी लोक सभा चुनाव में 95 लाख से अधिक राशि खर्च नहीं करते? क्या ह्यइलेक्टोरल बॉंड्सह्न को जारी करते समय काले धन की रोकथाम के किए गए दावे के अनुसार चुनावों में नकद राशि खर्च नहीं हुई? अब जब सुप्रीम कोर्ट का आदेश हुआ है तो वो सभी राजनैतिक दल जिन्हें इलेक्टोरल बॉंड्स के जरिये सहयोग राशि मिली थी।

उन्हें इसकी आमदनी और खर्च का हिसाब भी सार्वजनिक करना पड़ेगा।

वहीं दूसरी ओर जिन-जिन औद्योगिक घरानों ने सत्तापक्ष के अलावा विपक्षी दलों को भी चुनावी चंदा

दिया है।

उन्होंने यही उम्मीद की थी कि उनका नाम गुप्त रखा जाएगा। परंतु शीर्ष अदालत के इस फैसले के

बाद अब यह भी सार्वजनिक हो जाएगा। इसलिए अब इन घरानों को इस बात का डर है कि कहीं उन पर

विभिन्न जाँच एजेंसियों द्वारा कोई करवाई

मंदिरों की आमदनी पर टैक्स क्यों नहीं ?

@ राकेश अचल
achalrakesh1959@gmail.com

कर्नाटक में मंदिरों की आमदनी पर टैक्स लगाने का एक विधेयक राज्य विधानसभा में पारित नहीं हो पाया। कर्नाटक में कांग्रेस की सरकार है इसलिए भाजपा ने इस विधेयक की मुखालफत की। विधेयक का नाम 'हिंदू धार्मिक संस्थान और धर्मार्थ बंदोबस्ती (संशोधन) विधेयक' था विपक्ष इस बिल का विरोध करता आ रहा है। भाजपा और जेडीएस का आरोप है कि सरकार मंदिरों पर टैक्स लगाकर अपने खाली खजाने को भरना चाहती है। वहीं, कांग्रेस सरकार का दावा है कि 2011 में भाजपा सरकार भी ऐसा ही विधेयक लेकर आई थी।

असल सवाल ये है कि मंदिरों की आमदनी पर टैक्स क्यों नहीं लगना चाहिए ? जब मंदिरों को अकूत आमदनी होती है तो उस पर टैक्स लगाया जाना गैर कानूनी कैसे हो सकता है। इसे अधार्मिक मानने वालों के पास भी कोई तर्क नहीं है। वे केवल धर्मांध होकर अपना विरोध जताने में लग जाते हैं। हमारे देश में मंदिरों की आमदनी इतनी है कि कोई अच्छा-खासा कारखाना भी उनके सामने नहीं टिक सकता, लेकिन इस आमदनी पर मंदिरों से टैक्स वसूलने की बात की जाये तो बवंडर खड़ा हो जाता है। मंदिर नया हो या पुराना इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। हाल ही में अयोध्या में बनाये गए राम मंदिर की आमदनी ने भी नए कीर्तिमान बना लिए हैं।

अयोध्या में भाजपा के राम मंदिर उद्घाटन के बाद एक महीने में 25 किलोग्राम सोने और चांदी के आभूषण सहित लगभग 25 करोड़ रुपये का दान मिला है। राम मंदिर ट्रस्ट के कार्यालय प्रभारी प्रकाश गुप्ता ने बताया कि 25 करोड़ रुपये की राशि में चेक, ड्राफ्ट और मंदिर ट्रस्ट के कार्यालय में जमा की गई नकदी के साथ-साथ दान पेटियों में जमा राशि भी शामिल है। उन्होंने बताया कि हालांकि हमें ट्रस्ट के बैंक खातों में ऑनलाइन माध्यम से भेजे गए धन के बारे में जानकारी नहीं है। 23 जनवरी से अब तक लगभग 60 लाख श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं। राम भक्तों की भक्ति ऐसी है कि वे रामलला के लिए चांदी और सोने से बनी वस्तुएं दान कर रहे हैं, जिनका उपयोग श्री राम जन्मभूमि मंदिर में नहीं किया जा सकता है। इसके बावजूद, भक्तों की भक्ति को देखते हुए राम मंदिर ट्रस्ट सोने और चांदी से बनी सामग्री,आभूषण, बर्तन और दान स्वीकार कर रहा है।

कर्नाटक हिंदू धार्मिक संस्थान और धर्मार्थ बंदोबस्ती अधिनियम, 1997 है, जिसमें संशोधन के लिए यह विधेयक लाया गया। विधेयक के जरिए अधिनयिम की धारा 17 में संशोधनकिया जाना था । इस कानून की धारा 17 में फंड के लिए एक सामान्य पूल बनाने का प्रावधान है। कर्नाटक सरकार के अनुसार, 2011 में तत्कालीन भाजपा सरकार ने कानून में संशोधन किया था। इस बदलाव के जरिए सामान्य पूल फंड का उपयोग करके कम आय वाले मंदिरों की मदद करने के लिए अधिक आय के मंदिरों से धन इकट्ठा करने में सक्षम बनाया गया। बता दें कि कम आय वाले मंदिरों को 'सी'

रखा गया है। सरकार के अनुसार, 2011 के संशोधन के जरिए पांच लाख रुपये से 10 लाख रुपये के बीच वार्षिक आय वाले मंदिरों को अपनी शुद्ध आय का पांच फीसदी हिस्सा देना होता है। वहीं ऐसे मंदिर जिनकी वार्षिक आय 10 लाख रुपये से ज्यादा है तो उसे 10 फीसदी हिस्सेदारी देनी होती है।

सवाल ये है जब मंदिरों की सम्पत्ति और स्वामित्व के विवादों में भगवान को अदालतों में पक्षकार बनाया जाता है तो उनकी आमदनी को कर मुक्त करने की बात क्यों की जाती है ? वैसे तो आस्थाओं के सामने कोई तर्क टिकता नहीं किन्तु हकीकत ये है कि मंदिरों को बिना हाथ-पांव चलाये जितनी आमदनी होती है उसका इस्तेमाल भगवान कम उनके आसपास रहने वाले लोग ज्यादा करते है। मंदिरों की आमदनी का उपयोग काम दुरूपयोग ज्यादा होता है वो भी धर्म की आड़ में।

भारत में मंदिरों की आमदनी अविश्वसनीय है। भारत का सबसे अमीर मंदिर पद्मनाभस्वामी मंदिर है। जो केरल के प्रसिद्ध शहर तिरुवनंतपुरम में स्थित है। यह न सिर्फ भारत बल्कि विश्व का सबसे अमीर टेम्पल माना जाता है। लोग अनुमान लगाते है कि पद्मनाभस्वामी टेम्पल में 1 खरब डॉलर की संपत्ति मौजूद है। तिरुपति के बालाजी मंदिर को हर साल लगभग 600 करोड़ रुपये दान के रूप में देते हैं। वर्ष 2010 में तिरुमाला तिरुपति मंदिर ने भारतीय स्टेट बैंक के पास ब्याज के लिए 1175 किलो सोना जमा था।

शिरडी, में साईंबाबा मंदिर के बैंक खाते में 380 किलो सोना, 4,428 किलो चांदी और डॉलर और पाउंड जैसी विदेशी मुद्राओं के रूप में बड़ी मात्रा में धन के साथ-साथ लगभग 1,800 करोड़ रुपये हैं। 2017 में रामनवमी के अवसर पर एक अज्ञात भक्त द्वारा 12 किलो सोना दान किया गया था। साथ ही, हर साल लगभग 350 करोड़ का दान आता है।वैष्णो देवी मंदिर को हर साल ?500 की वार्षिक आय होती है।मुंबई में सिद्धिविनायक मंदिर सालाना लगभग 125 करोड़ कमाता है। करोड़ों कमाने वाले मंदिरों की लम्बी फेहरिस्त है। देश में छोटे-बड़े पांच लाख से अधिक मंदिर हैं। लेकिन कुछ ऐसे भी हैं जिनमने भगवान के भोग-प्रसाद और पुजारी का वेतन लायक तक पैसा नहीं

मंदिरों को होने वाली आमदनी में से कुछ मंदिरों के न्यास समाज सेवा के नाम पर कुछ अस्पताल,शैक्षणिक संसथान भी चलते हैं लेकिन अधिकाँश का खर्च भोजन-भंडारों और मंदिरों के रख-रखाव के नाम पर ही होता है। अब तो डबल इंजिन की सरकारें इन मंदिरों पर मेहरबान है। वे अपने खजाने खाली कर प्राचीन मंदिरों को पर्यटक स्थल बनाने में लगी हैं ,ताकि वहां से बाद में सरकार को भी आमदनी हो सके। उत्तर प्रदेश सरकार का सपना ही अयोध्या के राम मंदिर के जरिये पर्यटकों की जेब से सलाना 25 हजार करोड़ निकलवाने का है। मंदिरों को परोक्ष कारोबारी संसथान बनाने वाली भाजपा शायद इसीलिए मंदिरों की आमदनी पर करारोपण का विरोध करती है।

मंदिरों पर टैक्स लगाने से जन भावनाएं कैसे आहत होतीं हैं ,मै नहीं जानता ,दूसरे धर्मों के पूजाघरों में भी यदि इस तरह की आय होती है तो उसे कराधान के दायरे में लिए जाना चाहिए ,लेकिन ऐसा होता नहीं है। सरकारें वोट के लालच में ऐसा करना नहीं चाहती। वे मध्यमवर्ग के लोगों की जेब से जबरन टैक्स काट लेतीं है किन्तु मंदिरों की आमदनी पर हाथ डालने से कतरातीं हैं। यदि मंदिरों में बैठे भगवान के विग्रह अदालतों में पक्षकार बन सकते हैं तो उन्हें कर देने में क्या आपत्ति हो सकती है ? यदि होती है तो ये छल है, क्योंकि उनकी आमदनी तो एकदम श्वेत नहीं है। श्याम भी है। लेने वाले तो भगवान हैं लेकिन देने वाले अंतर्ध्यान है।

मंदिरों में महंगे और बड़े दान देने वाले यदि छंटे जाएँ तो वे ही सबसे बड़े कर अपवंचक निकलेंगे। मंदिरों में मंहगा चढ़ावा चढाने वाले श्रृद्धा से नहीं बल्कि रिश्वत के रूप में ये चढ़ावा देते है। मेरे एक परिचित दवा व्यवसायी अपनी आमदनी का दस प्रतिशत नियमित रूप से एक मंदिर में दान करते हैं लेकिन कर अपवंचन में उन्हें कभी कोई लज्जा नहीं आती। ऐसे करचोर भक्तों की संख्या बहुत है। इनके लिए मंदिरों में विशिष्ट और अति विशिष्ट सुविधाएं भी उपलब्ध रहतीं हैं। मुझे कभी-कभी लगता है की मंदिरों की आय को कर मुक्त रखने की मांग करने वाले भी ऐसे ही लोग और संगठन होते हैं। सरकार को कर देने से कोई मंदिर या मंदिर के गर्भगृह में बैठे भगवान निर्धन नहीं हो सकते। मंदिरों की आय से यदि चुटकी भर टैक्स सरकारों को मिल जाएगा तो इसे भगवत कृपा ही माना जाना चाहिए न की धर्मविरोधी कृत्य। लेकिन ऐसा हो नहीं सकता।

मुझे पता है कि देश में भगवान को कर छूट दिलाने की वकालत करने वाले हम जैसे लोगों के मुकाबले हजार गुना ज्यादा होंगे। ज्यादतर लोग भगवान के समर्थक हैं ,सरकार के नहीं। लोग उन्हीं सरकारों के समर्थक हैं जो असल मुद्दों पर काम न कर मंदिरों के लिए नए लोक-परलोक बनाने में अपना खजाना खाली करने के लिए तैयार दिखाई देती हैं। भगवान भी जब तक खुद प्रगतिशील कदम नहीं उठाएंगे तब तक स्थितियां सुधरेंगी नहीं। मंदिरों की आमदनी पर धर्म के ठेकेदार, ट्रस्टी, संत, महंत , मंडलेश्वर, महामंडलेश्वर ही नहीं मौलवी, तथा फादर भी

गुरु नानक की दरियादिली

- देवेन्द्र सत्यार्थी

गुरु नानक को कौन नहीं जानता! नानक के दिल में सबके लिए दर्द था। वह चाहते थे कि सब लोग मिलकर भाई-भाई की तरह रहें, एक-दूसरे को प्यार करें और एक दूसरे को दुःख दर्द में हाथ बटावें।

यह तब सम्भव हो सकता था जब लोग सादगी और परिश्रम का जीवन बिताएं, कोई किसी को छोटा या बड़ा न समझे और दुनियादारी से ऊपर रहें। गुरु नानक के जीवन में ये सब गुण भरपूर थे।

एक बार वह किसी सभा में बहुत देर तक बोले। उसके बाद उन्हें प्यास लगी तो उन्होंने कहा, 'शुद्ध जल लाओं।'

एक पैसे वाला भक्त चांदी के गिलास में पानी ले आया। गिलास लेते समय नानक की निगाह उसके हाथ पर गई। बड़ा कोमल हाथ था। नानक ने उसका कारण पूछा तो वह बोला, 'महाराज, बात यह है कि मैं अपने हाथ से कोई काम नहीं करता। घर में नौकर-चाकर सारा काम करते है।' नानक ने गंभीर होकर कहा, 'जिस हाथ पर कड़ी मेहनत से एकाध चक्का नही पड़ा, वह हाथ शुद्ध कैसे हो सकता है? मैं तुम्हारे इस हाथ का पानी नहीं ले सकता।'

इतना कहकर नानक ने पानी का गिलास लौटा दिया

गुरु नानक घूमते रहते थे। एक मर्तबा घूमते हुए वह एक गांव में ठहरे। वहां के लोगों ने उनकी खूब खातिर की, सब तरह का आराम पहुंचाया। जब वह वहां से चलने लगे तो तो गांव वालों को आशीर्वाद देते हुए उन्होने कहा, 'यह गांव उजड़ जाय।'

गांव वाले यह आशीर्वाद सुनकर हैरान रह गये। सोचने लगे, क्या उनकी सेवा में कोई कसर रह गई? लेकिन उन्होंने कहा कुछ नहीं।

गांव के कुछ लोग उनके साथ हो गये।

नानक दूसरे गांव में पहुंचे, वहां रुके, लेकिन वहां के लोगों ने उनकी और ध्यान नहीं दिया। उनकी खातिरदारी तो दूर खाने-पीने के लिए भी नहीं पूछा। वहां से विदा होते समय नानक ने आशीर्वाद देते हुए कहा, 'यह गांव आबाद रहे।'

पीछे के गांव के लोगों से अब नहीं रहा गया। उन्होने कहा, 'गुरूजी, यह क्या बात है? जिन्होने आप की खूब सेवा की, आपको अच्छी तरह रक्खा, उन्हें आपने उजड़ जाने का आशीर्वाद दिया और जिन्होंने आपको पूछा तक नहीं, उन्हें बस जाने का आशीर्वाद दिया!

नानक ने जवब दिया, 'जहां हमारी खूब मेहमाननवाजी हुई, वह गाँव फूलो की बस्ती है। मैंने कहा, वह उजड़ जाए तो इसका मतलब था कि वहां के लोग बिखर जायं। वे जहां जाएंगे, अपने साथ अपनी मोहब्बत की, अपनी सेवा की, महक ले जायंगें; लेकिन जिस गांव के लोगों ने हमारी पूछताछ नहीं की, वहां कांटों का ढेर था। हमने कहा, वह बस जांय, तो उसका मतलब था कि कांटे एक ही जगह रहें। फैल कर लोगों को दुखी न करें।'

बचपन से ही नानक साधु-संतो के साथ रहना पसंद करते थे। अपने गांव तलवंड़ी से कुछ दूर जंगल में घूमते थे। एक बार उनके पिता ने काम-धंधा करने के लिए उन्हें कुछ रुपये दिये। संयोग से नानक को कुछ साधु मिल गये। ये साधु कई दिन से भूखे थे।

नानक के पास जो कुछ था, खाने-पीने पर खर्च कर दिया। सोचा, भूखो को भोजन कराने से बढ़कर ज्यादा फायदे की बात भला और क्या हो सकती है। यह यह सौदा ही सच्चा सौदा है।'

ऐसे ही एक दिन वह कुंए से नहाकर लौट रहे थे तो एक साधु मिला। बड़ी बुरी हालत में था। नानक का दिल भर आया। उन्होने अपने पास का सबकुछ उसे दे डाला। फिर आगे बढ़े तो अचानक उनकी निगाह अपनी अंगूठी पर पड़ी। वह साधु के पीछे दौड़े और अंगूठी भी उसे दे आये। बाद में नानक ने घर बार छोड़ दिया और दूर-दूर तक की यात्राएं करने लगे। बगदाद होकर वह काबुल गये। वहां बाबर उन्हें बुलाया और उनके आगे शराब का प्याला रख दिया। नानक ने कहा, 'हमने तो ऐसी शराब पी रक्खी है, जिसका नशा कभी उतरता ही नहीं है। वह शराब हमारे किस काम की, जिसका नशा कुछ देर बाद उतर जाये!'

गुरू नानक के पास प्यार का अनंत भंडार था। वे सबको प्यार देते थे और इस बात की चिंता नहीं करते थे कि उनके साथ कोई कैसे बर्ताव करता है।

उनका एक साथी था भाईवाला। वह जहां जाते थे, भाईबाला को अपने साथ जाने से नहीं रोकते थे। न कभी रबाब वाले मरदाना को साथ रखने

वेतनवृद्धि का आवेदन क्या सही क्या नहीं

बिना तैयारी के वेतन वृद्धि के बारे में कहना गलत होता है, जबकि इसके लिए की गई तैयारी कार्य को आसान बनाती है। यहां बताए जा रहे हैं इससे जुड़े कुछ जरूरी बिंदु, जो वेतन वृद्धि की मांग करते हुए हमेशा ध्यान रखने चाहिए।

जब आपके वेतनमान से आपके बारे में सही आकलन नही हो पाता या लंबे समय तक वेतन बढ़ाने की आपकी प्रार्थना पर ध्यान नहीं दिया जाता तो यह कुछ उपाय हैं, जो इस दिशा में आपको सफल बना सकते हैं। बेशक, कई बार वेतन बढ़ाने के लिए कहना तनाव भरा हो सकता है। हालांकि वेतन बढ़ाने से जुड़ी योजना में निवेश किए गए समय से आपको आपकी मनचाही सैलरी मिल भी सकती है। हमेशा याद रखें, 'सही तरीके से मोलभाव करके आप अपने विरोधी पक्ष पर विजय प्राप्त कर सकते हैं।' फिर भी हममें से अधिकांश लोगों की प्राथमिकताओं में 'सैलरी नेगोसिएशन स्किल्स' नहीं होती, लेकिन यह इतना महत्वपूर्ण मामला होता है कि इसे दरकिनार नहीं किया जा सकता।

वेतन वृद्धि के लिए एक योजना बनाएं

इस प्रक्रिया की शुरुआत यह जानने से करें कि अप्रेजल और वेतन वृद्धि का समय कब आएगा। इसके बारे में अपने मैनेजर से पहले ही बात कर लें और उन्हें अपनी परफॉरमेंस के बारे में सविस्तार जानकारी दें। अन्य शब्दों में, 'एक आदर्श (आइडियल) के साथ शुरू करके डील के साथ बात समाप्त करें।'

अपने हुनर और जॉब का आकलन

अपने पिछले कुछ परफॉरमेंस अप्रेजल्स एकत्र करें और देखें कि उनमें आपका क्या आकलन रहा है। इसके बाद अपने कौशल, प्रोडक्टिव आउटपुट, उठाई गई अतिरिक्त जिम्मेदारियों और बेहतर या कमतर समय में कंपनी को दिए गए अपने योगदान के आधार पर अपनी वेतन वृद्धि की दावेदारी तैयार करें। यह सभी बिंदु आपके बारे में फैसला लेने में बहुत महत्वपूर्ण मानक साबित होते हैं।

अपने इतर कौशल का भी आकलन करें

वेतन वृद्धि पर बात शुरू करने से पहले मार्केट में अपने हुनर की कीमत भी जान लें। इस बारे में शोध करें और पता लगाएं कि आपके कार्यक्षेत्र में आपके बराबर अनुभव प्राप्त व्यक्तियों का वेतनमान क्या है। नेगोसिएशन प्रक्रिया की जानकारी प्राप्त करें और वेतनवृद्धि में कैश के अतिरिक्त अन्य लाभादि को भी अपनाएं

अपने आवेदन के पक्ष में आप विभिन्न तरह के तथ्य और आंकड़ों की मदद ले सकते हैं। संस्थान के भीतर अपने उज्जवल भविष्य पर फोकस करें। बातचीत के समय दिल-दिमाग खुले रखें और तार्किक तरीके से अपने बॉस के दृष्टिकोण से भी सोच कर देखें। वेतनवृद्धि के बारे में अपने आवेदन में सीधी बात और एक निश्चित राशि की बात करें। यदि आपका बॉस आपके आवेदन को नकार देता है तो उनसे विनम्रतापूर्वक पूछें कि आपको उस स्तर पर पहुंचने के लिए और क्या करना होगा? कंपनी के संदर्भ में अपने प्रयासों पर बात करते हुए बताएं कि आप कितने वेतन के हकदार हैं। इन सबके बावजूद अन्य विकल्पों पर भी नजर रखें।

बिल्कुल न करें

वेतनवृद्धि पर इसलिए बिल्कुल बात न करें कि आपको पैसे की जरूरत है। आपकी कोई निजी जरूरत वेतनवृद्धि का कारण नहीं होनी चाहिए। इसके विपरीत, आपके किए गए कार्य के आधार पर ही आपकी वेतनवृद्धि तय होनी चाहिए। याद रखें, जरूरत के आधार पर कभी अच्छा मोलभाव नहीं हो सकता। अपने एम्प्लॉयर को किसी अन्य भारी वेतन वाली नौकरी से ब्लैकमेल न करें। एम्प्लॉयर कभी आपके हाथों का खिलौना बनना पसंद नहीं करेगा। इसलिए ऐसा कोई काम न करें। वेतनवृद्धि के लिए नौकरी छोड़ने की धमकी या नोटिस देना कभी सही तरीका नहीं माना जाता। इसलिए किसी नकारात्मक तरीके को अपनाने की बजाय प्रोफेशनल तरीके से पेश आएं।

कभी अस्वाभाविक न हों। ऐसा तब और भी जरूरी हो जाता है, जब आप वेतनवृद्धि से जुड़े तथ्य जानते हों। आपके मित्रों को अधिक वेतन मिलता है, इसे देखते हुए कभी यह मांग न रखें। पहले अपना आकलन करें, उसके बाद ही कोई प्रस्ताव आगे रखें। यह भी न मानें कि आपका कार्य ही आपके बारे में बताएगा। अपने किए काम पर बात करें और उससे जुड़े आंकड़े सामने रखें, क्योंकि इससे आपका सही मूल्यांकन हो सकेगा।

बिना अपॉइंटमेंट के वेतनवृद्धि पर बात करने के लिए अपने बॉस के कमरे में न जा घुसें। इसके लिए जरूरी है कि मीटिंग के लिए सही समय पहले से निश्चित कर लें। बातचीत के दौरान वेतनवृद्धि की बात बिना भावुक हुए पूरी तार्किकता के साथ रखें। रुडयार्ड किप्लिंग ने कहा है, 'यदि आप जो चाहते हैं, वह आपको नहीं मिला तो यह इस बात का संकेत देता है कि या तो आप उसके बारे में गंभीर नहीं हैं या आपने कीमत के बारे में मोलभाव का प्रयास किया है।' लिहाजा, जरूरी है कि आपको पता हो कि वेतनवृद्धि पर बात करते हुए कहां सीमारेखा खींचनी है।

मैनेजमेंट कंसलटेंसी में बढ़ी नौकरियों की संभावनाएं

पिछले एक दशक में प्रबंधन शिक्षा (मैनेजमेंट एजुकेशन) के साथ ही प्रबंधन अभ्यास के क्षेत्र में आमूल-चूल बदलाव आया है। पारिवारिक बिजनेस (फैमिली डोमिनेटेड बिजनेस) भी पेशेवर (प्रोफेशनल) हुआ है। प्राइवेट कंपनियों के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) की सालाना सैलरी भी दो करोड़ से 20 करोड़ तक हो गई है।

युवा प्रोफेशनल्स 40 के उम्र में न केवल सीईओ बन रहे हैं, बल्कि कंपनियों के बोर्ड के मेंबर्स भी हो जा रहे हैं। इनफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी के साथ ही वितीय सेवाओं और मैनेजमेंट कंसलटेंसी में नौकरियों की संभावनाएं काफी बढ़ी हैं। अब कंपनियां न केवल सीनियर अधिकारियों को लैटरल इंट्री दे रही हैं, बल्कि उन्हें संस्था में लंबे समय तक बनाए रखने की कोशिश भी कर रही हैं। पहले कंपनियां मैनेजमेंट ट्रेनीज पर ज्यादा विश्वास करती थीं।

बदलते परिदृश्य में कंपनियों के बोर्ड में गलत मैनेजमेंट प्रैक्टिस सामने आए हैं और कंपनियां इसको लेकर काफी संजीदा हुई हैं। कंपनियों में डेलिगेशंस बढ़ा है, बावजूद प्राइवेट संगठन और फैमिली मैनेज्ड कंपनियों में नीतियों का निर्धारण अभी भी काफी हद तक सेंट्रलाइज्ड (केन्द्रीयकृत) है। कंपनियों के बेहतर परफॉर्मेंस के लिए अब प्राइवेट के साथ ही पब्लिक सेक्टर आर्गेनाइजेशन भी प्रोफेशनल कंसलटेंट का उपयोग ज्यादा से ज्यादा से कर रहे हैं।

प्रबंधन शिक्षा में भी बदलाव

प्रबंधन शिक्षा देने वाले बिजनेस स्कूलों की संख्या में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। बिजनेस स्कूलों के साथ एमबीए कोर्स की संख्या में भी तेजी से इजाफा हुआ है। मैनेजमेंट के दो साल के कोर्स के अलावा अब वर्किंग एजीक्यूटिव के एक साल का एमबीए प्रोग्राम काफी लोकप्रिय हुआ है। यही नहीं कोर्स कंटेन्ट में भी बदलाव आया है। सूचना प्रधान शिक्षण की जगह फाइनांस, स्ट्रेटजिक मैनेजमेंट को महत्व मिल रहा है।

भारतीय छात्रों का गलोबल एक्सपोजर बढ़ा है। मैनेजमेंट के सभी कोर्स में लड़कियों की संख्या में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। प्रबंधन शिक्षा अब डाटा बेस्ड, केस ओरिएंटेड और पार्टिसिपेटिव हो गई है। अधिकतर बिजनेस स्कूल बिजनेस इथिक्स को अपने कोर्स में शामिल कर रहे हैं।

आइएएस के लिए कितने तैयार हैं आप

सिविल सेवा परीक्षा में भाग लेनेवाले युवाओं की संख्या बहुत अधिक होती है, क्योंकि सिविल सेवा उन्हें समाज के लिए कुछ करने का अधिकार देने के साथ-साथ रुतबा और प्रतिष्ठा भी दिलाता है. आइए जानें सिविल सेवा परीक्षा के एक पेपर (सीसैट) की तैयारी के बारे में, जिससे इसमें अच्छा स्कोर किया जा सके.

सिविल सर्विसेस प्रारंभिक परीक्षा के लिए आवेदन और शेष बचे समय में रणनीति के साथ अंतिम तैयारी परीक्षा में सफलता दिला सकती है.

परीक्षा का प्रकार

सिविल सर्विसेस प्रारंभिक परीक्षा में दो पेपर होते हैं. सीसैट और जनरल स्टडीज. दोनों का अपना महत्व होता है. इस बार सीसैट की तैयारी के बारे में. ध्यान रखें, सीसैट ऐसे अभ्यर्थियों के लिए वरदान है, जो किसी भी विषय को रटने की अपेक्षा समझने पर बल देते हैं.

सीसैट की तैयारी

सीसैट (सिविल सर्विसेस एप्टीट्यूड टेस्ट) में 200 अंकों के लिए दो घंटे का समय निर्धारित है. सीसैट के द्वारा सभी विषय के छात्रों को एक समान स्तर पर लाया गया है. इससे रटने की प्रवृत्ति को समाप्त कर अभ्यर्थी की तार्किकता, समझदारी, व्यक्तित्व और उसके अंदर छुपे प्रशासनिक गुणों को देखा जाता है. इसमें अभ्यर्थी की भाषा में पकड़, विभिन्न परिस्थितियों में निर्णय लेने की क्षमता, तीव्र गति से आकलन एवं गणना करने की क्षमता का भी पता चलता है. सीसैट कई भागों में बंटा है. प्रत्येक भाग की तैयारी के लिए अलग-अलग रणनीति अपनाएं.

भाषा-हिंदी/अंगरेजी

सीसैट के प्रथम भाग में हिंदी और अंगरेजी में कॉप्रीहेंशन दिये जाते हैं. इसमें कुछ पैसेज के आधार पर प्रश्न पूछे जाते हैं. इस पैसेज को सावधानी से पढ़ कर, अच्छे से समझ लें, फिर उत्तर दें. आपने अपने यूपीएससी प्रारंभिक परीक्षा के फॉर्म में भाषा के स्थान पर जिस भाषा का चयन किया है, कॉप्रीहेंशन उसी भाषा में करें.

गणितीय योग्यता

सीसैट में गणित के सवालों के जरिये आपकी सटीकता की जांच की जायेगी. गणित में एनसीइआरटी की छठी से लेकर 10वीं तक की पुस्तक से प्रश्न होंगे. इनमें प्रतिशत, औसत, आयु समय एवं काम, समय एवं दूरी, संभावना आदि अध्याय मुख्य होंगे. गणित को नियमित अभ्यास के माध्यम से ही बेहतर किया जा सकता है. कुछ चीजों को याद कर लें. जैसे 1 से 50 तक के वर्ग, 1 से 10 तक वर्गमूल आदि. इसके अलावा गणित के प्रश्न हल करते समय अपने दिमाग को स्थिर रखना अनिवार्य है.

निर्णय क्षमता

निर्णय लेना ही प्रशासक का मुख्य कार्य है. एक अच्छा निर्णय किसी भी समस्या को सदा के लिए समाप्त कर देता है. निर्णय लेते समय समस्या से संबंधित सूचनाएं एवं आंकड़ों का विश्लेषण करते हैं. इसमें आपकी ज्ञान, समझ, धैर्य, पहल करने की क्षमता आदि का पता चलता है. इसीलिए इस प्रकार के प्रश्नों को कई चरणों में बांट कर हल करें.

सम्प्रेषण कौशल

लोक सेवक को जनता, नेता, मीडिया एवं नौकरशाह से बातचीत करनी पड़ती है. इसीलिए प्रत्येक लोक सेवक को विभिन्न व्यक्तियों से विभिन्न समय पर संपर्क / संचार / वार्ता स्थापित करने की क़ालिटी आनी चाहिए. प्रशासनिक व्यक्ति तथ्य आधारित संचार देते हैं. सभी संचार औपचारिक माध्यम के द्वारा स्थापित हो, इसका ध्यान रखना चाहिए.

तार्किक क्षमता

इस मार्ग में मुख्य रूप से अभ्यर्थी की मानसिक शक्ति की जांच की जायेगी. अधिकतर प्रश्न पहेली के रूप में रहेंगे. इसके लिए आरएस अग्रवाल की पुस्तक काफी उपयोगी है. अधिक अभ्यास के द्वारा कम, समय में प्रश्न को हल किया जा सकता है.

मानसिक योग्यता

यह भी एक प्रकार से रीजिनिंग का ही भाग है. इसके अंतर्गत किसी दिये गये आंकड़ों के आधार पर किसी घटना को सिद्ध करना होता है. इसके लिए भी आरएस अग्रवाल की पुस्तक उपयोगी है.

अंगरेजी भाषा और बोध परीक्षण

यह भाग सभी अभ्यर्थियों के लिए केवल अंगरेजी में ही होगा. इसमें कुछ पैसेज के आधार पर प्रश्न पूछे जायेंगे. इन्हें सावधानी से पढ़ कर उत्तर दें. इस भाग में कुछ प्रश्न ग्रामर से भी रहेंगे, जिसके लिए कोई भी दसवीं क्लास की ग्रामर की किताब की मदद लें. इस भाग की तैयारी के लिए यूपीएससी द्वारा आयोजित दूसरी बहुविकल्पीय परीक्षाओं, जिसमें अंगरेजी के प्रश्न पूछे जाते हैं, के प्रश्नपत्र को लेकर हल करें और बार-बार अभ्यास करें.

50 हजार का वॉन्टेड कुंदन साह गिरफ्तार; हाई प्रोफाइल लूट, बैंक डकैती का मास्टरमाइंड

अररिया जिले से भागलपुर के टॉप 10 अपराधियों में शामिल 50 हजार के वॉन्टेड कुंदन साह को गिरफ्तार किया है। जो हाईप्रोफाइल लूट और 30 लाख की बैंक डकैती का मास्टरमाइंड रह चुका है।

भागलपुर. भागलपुर जिले के टॉप टेन अपराधियों में शामिल 50 हजार के इनामी कुंदन साह को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। उसकी गिरफ्तारी एसआईटी ने अररिया जिले के सिमराहा से की। वह मोजाहिदपुर के वारसलीगंज का रहने वाला है। एसपी सिटी राज ने रविवार को प्रेस वार्ता में बताया कि इनामी अपराधी कुंदन साह पर कहलगांव थाना में 2021 में तीन कांड दर्ज हैं जो लूट, डकैती और आर्म्स एक्ट से संबंधित हैं।

वहीं, जीरोमाइल थाना में वर्ष 2018 में, मोजाहिदपुर थाना में 2019 में लूट का और कोतवाली थाना में वर्ष 2018 में डकैती का केस उसपर दर्ज है। बैंक डकैती का केस भी उसपर दर्ज है। इस दौरान कहलगांव एसडीपीओ शिवानंद सिंह भी मौजूद थे।

भागलपुर के कहलगांव शहर में जून और जुलाई 2021 में 18 दिन के अंदर हुए में दो हाई प्रोफाइल भीषण डकैती में 50 हजार का इनामी कुख्यात कुंदन साह शामिल था। विक्रमशिला मोहल्ला के कायस्थ टोला में 25 जून 2021 को रिटायर्ड प्रोफेसर रत्नेश्वर प्रसाद सिंह के घर में नगदी समेत 30 लाख से ज्यादा की डकैती हुई थी। प्रोफेसर दंपती को कमरा में बंद कर फरार हो गए थे।

दूसरी डकैती की वारदात 12 जुलाई को कहलगांव नगर में रेलवे उल्टा पुल के निकट उत्कर्ष स्माल फाइनेंस बैंक में हुई थी। इसमें करीब 4 लाख रुपए से ज्यादा एवं तीन टैब और दो मोबाइल फोन लूटकर फायरिंग करते हुए अपराधी फरार हो गए थे। दोनों कांडों में आधा दर्जन से ज्यादा अपराधी शामिल थे। जिसमें कुख्यात इनामी अपराधी कुंदन साह भी शामिल था। एसपी सिटी ने कहा कि टीम को पुरस्कृत करने के लिए वरीय अधिकारी से अनुशंसा की जाएगी। जीरोमाइल थाना क्षेत्र में पिछले साल नवंबर महीने में दियारा क्षेत्र में हुई फायरिंग मामले में पुलिस ने एक और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

मक्के की खेती को लेकर हुए विवाद के बाद हुई फायरिंग मामले में पुलिस ने नवगछिया के परबत्ता स्थित जगतपुर के रहने वाले मनी यादव को गिरफ्तार किया है। उसकी गिरफ्तारी में एसटीएफ का भी सहयोग लिया गया। एसपी सिटी ने बताया कि उस मामले में अभी तक कुल सात लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

कहलगांव थाना क्षेत्र के पैठानपुरा के रहने वाले मणिकांत मणि के घर से चोरी हुए आभूषण के साथ एक अभियुक्त को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। एसपी सिटी ने प्रेस वार्ता में इसकी जानकारी दी।

बताया कि पैठानपुरा के ही रहने वाले अमन कुमार को एक टूटा हुआ सहित दो सोने के कंगन, कंगन के टूटे हुए भाग, मंगल सूत्र, सोने की अंगूठी, एक जोड़ा चांदी का पायल, एक चांदी का सिक्का, एक पीस चांदी की बिछिया और 30 हजार रुपये नगद के साथ गिरफ्तार किया गया है।

लात-घूंसे, थप्पड़ सब चल गए; मोतिहारी में BPSC शिक्षकों से भिड़ गए केके पाठक के अधिकारी

मोतिहारी. मोतिहारी का डायट सेंटर उस वक्त जंग का अखाड़ा बन गया। जब बीपीएससी के शिक्षकों और केके पाठक के अधिकारियों के बीच झड़प हो गई। इस दौरान दोनों तरफ से लात-घूंसे और थप्पड़ तक चले। जिसके बाद डायट केंद्र पर हड़कंप मच गया। कोई समझ ही नहीं पाया कि आखिर क्यों शिक्षकों और अधिकारियों के बीच भिड़ंत हो गई। बताया जा रहा है कि डायट पहुंचे शिक्षकों और अधिकारियों के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई थी। जिसके बाद दोनों गुट आपस में भिड़े गए।

मोतिहारी के जिला शिक्षा और प्रशिक्षण संस्थान में बीपीएससी के शिक्षक योगदान देने के लिए पहुंचे थे। इसी दौरान डीपीओ और शिक्षकों के बीच गर्मागर्मी हो गई। कहासुनी से शुरू हुआ विवाद हाथापाई में बदल गया। जिसके बाद दोनों तरफ से सैकड़ों की संख्या में मारपीट शुरू हो गई। जिसमें जिसे मौका मिला, उसके लात-घूंसे और थप्पड़ बरसाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। और सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने किसी तरह मामला शांत कराया।

शिक्षकों के मुताबिक कालू पाकर प्रखंड फेनहारा के प्रधानाध्यापक डायट पहुंचे थे। जहां डीपीओ और डाटा ऑपरेटर से किसी बात को लेकर विवाद हो गया। जिसके बाद दोनों ने प्रधानाध्यापक की पिटाई कर दी। मौके पर पहुंची ने उन्हें हिरासत में ले लिया। जिसके बाद विवाद और बढ़ गया। और मोतिहारी का डायट सेंटर जंग का अखाड़ा बन गया।

दिल्ली, भोपाल के रसूखदारों पर रडार, हल्द्वानी हिंसा मास्टरमाइंड अब्दुल मलिक को पनाह देने वालों की खंगालेंगे कुंडली

हल्द्वानी. हल्द्वानी हिंसा के आरोपी अब्दुल मलिक की गिरफ्तारी के बाद पुलिस अब उन रसूखदार लोगों की जांच में जुट गई है। जिन्होंने मलिक को लुकआउट सर्कुलर और वांटेड होने के बाद भी पनाह दी या किसी न किसी तरह उसकी फरार होने में मदद की।

पुलिस ने इनमें से कुछ बड़े कारोबारी, राजनीतिक चेहरों का पता भी लगा लिया है। जिसमें दिल्ली से लेकर भोपाल तक कुछ बड़े नाम शामिल हैं। हल्द्वानी में वनभूलपुरा हिंसा के बाद अब्दुल मलिक दिल्ली, गुजरात, चंडीगढ़ और भोपाल समेत कई शहरों पर छिपता रहा।

पुलिस के मुताबिक जहां-जहां मलिक ठहरा वहां उसका शानदार इंतजाम था। पुलिस ने कुछ जगह चिह्नित की हैं, जिन्होंने उसकी मदद की, लेकिन पुलिस को जानकारी नहीं दी। पुलिस की अब तक की जांच में दिल्ली से भोपाल तक के बड़े कारोबारी, राजनीतिक संबंध और ऊंची पहुंच वाले लोग शामिल बताए जा रहे हैं।

मलिक के आने जाने व उसके रहने और एक जगह से दूसरी जगह जाने में किस तरह मदद और ' जब मलिक खुद फोन का इस्तेमाल नहीं कर रहा था तो आखिर किस तरह से वह फरार होने के लिए लोगों से संपर्क कर रहा था इसका लिंक भी तलाशा जा रहा है।

प्रेम प्रसंग के विवाद में जमकर चले ईंट-पत्थर, युवती के भाई को मार डाला

मथुरा. मथुरा में कोसीकलां के कोटवन गांव में युवती को भगाने को लेकर दो पक्षों में संघर्ष हो गया। जमकर मारपीट के बाद ईंट-पत्थर चले। इस दौरान पत्थर लगने से दो लोग घायल हो गए। अस्पताल में एक युवक की मौत हो गई। दूसरे को हायर सेंटर रेफर किया गया है। पुलिस ने छह आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा है। पुलिस एक आरोपी महिला की तलाश कर रही है। पुलिस के अनुसार प्रेम प्रसंग में युवती को भगा ले जाने विवाद में शनिवार देर रात दोनों पक्ष भिड़ गए।

युवक पक्ष की महिला एवं अन्य परिजनों ने युवती के भाई शंभू (47) एवं बलराम (37) पुत्रगण भगत सिंह से मारपीट करते हुए ईंट पत्थर से हमला कर दिया। हमले में दो युवक गंभीर घायल हो गए। पुलिस ने घायल भाइयों को हास्पिटल में भर्ती

कराया। जहां डॉक्टरों ने शंभू को मृत घोषित कर दिया। बलराम की हालत गंभीर है। पुलिस ने रेवती पत्नी नारायण सिंह, पुत्र रतन सिंह, देवराज, सतवीर पुत्रगण नारायण सिंह सहित, रतीराम, मोहनश्याम पुत्रगण रोशन, वलराम पुत्र रामे के मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस ने बताया कि छह नामजद आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा है, वहीं आरोपी महिला की तलाश हो रही है।

झांसा देकर दुराचार करने वाले की जमानत खारिज

शादी का झांसा देकर युवती से दुराचार करने वाले की जमानत याचिका को जिला जज आशीष गर्ग की अदालत ने खारिज कर दिया। अदालत में जमानत याचिका का विरोध शासकीय अधिवक्ता शिवराम तरकर द्वारा किया गया। डीजीसी शिवराम सिंह तरकर ने बताया कि स्टेट बैंक ऑफ इंडिया में वेल्थ मैनेजर अभिषेक डे के खिलाफ एक युवती ने शादी का झांसा देकर दुराचार और मारपीट करने के की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर अदालत के आदेश पर उसे जेल भेज दिया था। जेल में निरूद्ध अभिषेक डे ने अधिवक्ता के माध्यम से जमानत के लिए अदालत में अर्जी दाखिल की।

जमानत प्रार्थना पत्र में उसने युवती पर अपनी मर्जी से लिव इन रिलेशन में रहने की बात कही। इसके साथ दुराचार के आरोप को झूठा बताया। न्यायाधीश ने अपने आदेश में कहा कि अभिषेक- डे प्राथमिकी में स्पष्ट नामित है, जिसके विरुद्ध बाद विवेचना आरोप पत्र तैयार हो चुका है। इसके साथ ही अभियुक्त आवेदक की ओर से उसे झूठा फंसाए जाने का कोई यथोचित कारण नहीं दर्शाया गया है। समस्त तथ्यों और परिस्थितियों को प्रकाश में लाए, बिना गुण-दोष के आधार पर अभियुक्त को जमानत देने का कोई कारण न होने पर जमानत प्रार्थना पत्र को निरस्त किया गया।

पुलिस अफसर की फोटो का इस्तेमाल कर लाखों की ठगी, मैसेज और फिर कॉल कर ऐसे लूटा

प्रयागराज.प्रयागराज में पुलिस अफसर की फोटो लगाकर साइबर शातिरों ने एक व्यक्ति से 2.10 लाख की ठगी कर ली है। पीड़ित ने शिवकुटी थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। शिवकुटी निवासी कमलेश नारायण पांडेय ने तहरीर दी है कि उनके मोबाइल पर एक मैसेज आया। जिस नंबर से मैसेज आया उसमें उनके पूर्व परिचित पुलिस अफसर की फोटो लगी थी। मैसेज में लिखा था कि हमारे मित्र नवीन कुमार तोमर सीआईएसएफ में इंस्पेक्टर हैं। उनका तबादला हो गया। उनका घरेलू सामान कम कीमत पर आप ले लीजिए। इस पर कमलेश नारायण ने दिए गए मोबाइल नंबर पर बात की। नवीन कुमार से फर्नीचर और वीरेंद्र कुमार पांडेय से कार खरीदने की बात कर ली। इसके बाद ऑनलाइन पहले एक लाख दस हजार रुपये बताए गए एकाउंट में ट्रांसफर कर दिए। शेष रकम एक लाख अपने दामाद से ऑनलाइन ट्रांसफर कराया। इसके बाद शातिर सामान भेजने में बहाना करने लगे। कमलेश की तहरीर पर वीरेंद्र कुमार शेखर, नवीन कुमार तोमर, वीरेंद्र पांडेय पर केस दर्ज कराया है।

रिटायर रक्षाकर्मी के दो लाख रिश्तेदार ने हड़पे

रिटायर डिफेंसकर्मी के दो लाख रुपये एक रिश्तेदार ने हड़प लिए। शिवकुटी थाने की पुलिस ने केस दर्ज किया है। थरवई में डाल तिवारी का पूरा, गोहरी के रहने वाले त्रिलोचन नाथ त्रिपाठी डिफेंस से रिटायर हैं। उनका खाता एसबीआई तेलियरगंज में है। उन्होंने तहरीर दी है कि नवाबगंज के अंधियारी का पूरा निवासी रिश्तेदार रमाकांत पांडेय उनसे मिलने आए। उसने पत्नी की बीमारी का हवाला देकर ऑपरेशन के लिए दो लाख रुपये मांगे।

इस पर त्रिलोचन त्रिपाठी ने डेढ़ लाख रुपये चेक और पचास हजार रुपये नकद दे दिए। काफी समय बीतने के बाद भी रमाकांत ने रकम वापस नहीं की। मांगने पर भी रुपये नहीं लौटा रहा है। जान से मारने की धमकी दी है। परेशान त्रिलोचन त्रिपाठी ने मामले की शिकायत पुलिस आयुक्त से की। शिवकुटी पुलिस केस दर्ज कर मामले की जांच में जुटी है।

गोलियों की तड़तड़ाहट से गूंजा पटना, जमीन विवाद में 10 राउंड फायरिंग, इलाके में दहशत

राजधानी पटना में जमीन विवाद को लेकर जमकर फायरिंग हुई। दबंगों ने 10-15 राउंड फायरिंग की। पुलिस के मुताबिक एक जमीन के दो दावेदार हैं, जिसको लेकर विवाद हुआ। और एक पक्ष ने फायरिंग।

पटना. राजधानी पटना के एकता विहार कॉलोनी, फुलवारीशरीफ में जमीन विवाद में रविवार की रात ताबड़तोड़ गोलीबारी से इलाका थर्रा गया। एक के बाद एक कई राउंड गोलियां चलीं। प्रत्यक्षदर्शियों की मानें तो दस राउंड गोलियां चलीं। घटना की सूचना मिलते ही फुलवारीशरीफ थानेदार दलबल के साथ पहुंच कर मामले की जांच में जुट गई है।

भीखाचक चितकोहरा निवासी अखिलेश कुमार ने कहा कि एकता नगर में उनकी डेढ कट्ठा जमीन है। जिसका रविवार को हमलोग बाउंड्री कर रह थे। रात नौ बजे के आसपास 10 से 15 की संख्या में बाइक सवार कुछ लोग आये और बाउंड्री को तोड़ने लगे, वहीं इसके बाद ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी, करीब 8 से 10 राउंड फायरिंग करते हुए गाली गालौज की।

बाउंड्री को तोड़ गिरा दिया, इसकी सूचना फुलवारी पुलिस को दी गई। फुलवारी पुलिस पहुंच कर मामले की जांच में जुटी है, घटना स्थल पर करीब 04 खोखा मिला है। बता दें की इस मामले में अखिलेश कुमार ने फुलवारी नगर परिषद के एक पार्षद प्रतिनिधि समेत 15 पर इस घटना का आरोप लगाया है। दस रंगदारी की मांग की आरोप में यह भी कहा है कि एक पार्षद प्रतिनिधि व उसके अन्य साथियों द्वारा दस लाख की रंगदारी की मांग की गई है। दस लाख दो तब जमीन पर काम करने देंगे।

फुलवारीशरीफ एएसपी बिक्रम सिहाग ने कहा कि एक जमीन का दो दावेदार हैं, एक ने चुपके से दिन में बाउंड्री कर ली तो दूसरे जमीन के दावेदार ने रात में आकर बाउंड्री को तोड़ दिया। मामला जमीन विवाद का है। कोई रंगदारी का मामला नहीं है। एएसपी ने यह भी कहा कि गोली चलने की जानकारी नहीं है। पूरे मामले की गहनता से छानबीन की जा रही है।

थाने के सामने AAP पार्षद को महिलाओं ने चप्पल से पीटा, हैरान कर देगी वजह

श्योपुर. मध्य प्रदेश में कुछ महिलाओं ने आम आदमी पार्टी के एक पार्षद की पिटाई कर दी। बताया जा रहा है की करीब एक दर्जन महिलाओं ने दुकान के बाहर बैठे नगर पालिका के वार्ड पार्षद को पड़कर उनकी चप्पलों से पिटाई की है। इस दौरान महिलाओं ने पार्षद पर काम कराने के एवज में रिश्वतखोरी करने के आरोप भी लगाए हैं। क पार्षद की पिटाई का वीडियो भी सामने आया है। इस वीडियो में महिलाएं पार्षद को चप्पलों से पीटती हुई नजर आ रही हैं और लोगों की भीड़ तमाशा देख रही है।

मामला कोतवाली थाने के ठीक सामने का है, जहां शहर के वार्ड 14 के पार्षद जुगल मेहरा के साथ उनके वार्ड की कुछ महिलाओं ने चप्पलों से मारपीट की है। इस दौरान पार्षद खुद को बचाने की कोशिश करते रहे लेकिन, महिलाएं उन्हें चप्पलों से पीटती रहीं। बाद में लोगों की भीड़ के समझाने पर महिलाएं वहां से चली गईं। इस मामले में क पार्षद ने मामले की शिकायत कोतवाली थाने में की है।

AAP पार्षद पर घूस लेने का आरोप

AAP पार्षद को लेकर महिलाओं का आरोप है कि जुगल मेहरा ने प्रधानमंत्री आवास योजना में किस्त डलवाने के नाम पर 10-10 हजार रुपये की रिश्वत मांगी थी। जिसे लेकर महिलाएं नाराज थीं और उन्होंने उनकी पिटाई कर दी।

कुछ मीडिया रिपोर्ट में बताया जा रहा है कि AAP पार्षद को लेकर महिलाओं का आरोप है कि जुगल मेहरा ने प्रधानमंत्री आवास योजना में किस्त डलवाने के नाम पर 10-10 हजार रुपये की रिश्वत मांगी थी। जिसकी वजह से महिलाएं नाराज थीं। शनिवार को नगर पालिका में विकसित भारत संकल्प यात्रा का कार्यक्रम था। इस कार्यक्रम में जुगल मेहरा भी शामिल हुए थे। जिसके बाद महिलाओं ने अचानक जुगल मेहरा को पकड़ लिया और फिर मारपीट शुरू हो गई।

AAP पार्षद ने दी सफाई

इस बारे में वार्ड पार्षद जुगल मेहरा का कहना है कि, वह तो दुकान की बाहर बैठे थे तभी कुछ महिलाओं ने उनके साथ मारपीट और अभद्रता की है। उन्होंने सफाई देते हुए कहा है कि महिलाओं द्वारा इस तरह के आरोप गलत लगाए गए हैं। उन्होंने कहा, यह मेरे खिलाफ षड्यंत्र है। मैंने ऐसी शिकायत कोतवाली थाने में पहुंचकर की है। इस बारे में श्योपुर एसडीओपी राजीव कुमार गुप्ता का कहना है, मुझे आपके द्वारा इस बारे में बताया गया है। अगर थाने पर इस तरह की कोई शिकायत आई होगी या वीडियो होगा तो नियमों सरकार की जाएगी।

UPSESSB Shikshak Bharti : एमसीए डिग्रीधारी भी बन सकेंगे कम्प्यूटर के सहायक अध्यापक

नई दिल्ली. UPSESSB Teacher Recruitment : प्रदेश के 2355 राजकीय हाईस्कूल और इंटर कॉलेजों में एमसीए डिग्रीधारी अभ्यर्थी भी कंप्यूटर विषय के सहायक अध्यापक (एलटी ग्रेड) बन सकेंगे। शिक्षा निदेशालय की ओर से शिक्षकों की भर्ती के लिए अधियाचन तो उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग को भेजा जा चुका है लेकिन नियमावली अपडेट न होने के कारण विज्ञापन जारी नहीं हो पा रहा है। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ शिक्षा (प्रशिक्षित स्नातक श्रेणी) सेवा (षष्ठम् संशोधन) नियमावली 2023 में किए गए संशोधन की मंजूरी के लिए पिछले दिनों माध्यमिक शिक्षा निदेशक डॉ. महेन्द्र देव ने अपरमुख्य सचिव दीपक कुमार को प्रस्ताव भेजा है।

सहायक अध्यापक कंप्यूटर के लिए पहले बीटेक/बीई (कंप्यूटर विज्ञान में) या कंप्यूटर विज्ञान में विज्ञान स्नातक या कंप्यूटर अप्लीकेशन में विज्ञान स्नातक या कंप्यूटर अप्लीकेशन में स्नातक या एनआईईएलआईटी से द्वएल्ल स्तरीय पाठ्यक्रम के साथ स्नातक की उपाधि के साथ बीएड या समकक्ष उपाधि अनिवार्य थी। नए नियम में पुरानी अर्हता के साथ ही एमसीए (कंप्यूटर अप्लीकेशन में परास्नातक) को भी मान्य किया गया है। पहले बीएड अनिवार्य अर्हता थी जिसे अब अधिमानी (वेटेज) अर्हता के रूप में मान्यता दी गई है। माना जा रहा है कि अर्हता में संशोधन से राजकीय स्कूलों में कंप्यूटर शिक्षकों की कमी दूर हो सकेगी। इससे पहले लोक सेवा आयोग ने 2018 की एलटी ग्रेड

(सहायक अध्यापक) भर्ती में कंप्यूटर शिक्षकों के 1673 पदों के लिए आवेदन मांगे थे जिनमें से सिर्फ 36 पद ही भरे जा सके थे। 890 राजकीय स्कूलों में जेम पोर्टल के माध्यम से 25 हजार रुपये प्रतिमाह मानदेय पर कंप्यूटर शिक्षकों (आउटसोर्स) को रखने के लिए वित्तीय वर्ष 2022-23 में बजट का प्रावधान किया गया था। 27 जनवरी 2023 को समग्र शिक्षा अभियान के राज्य परियोजना कार्यालय लखनऊ में बैठक भी हुई। लेकिन आज तक नियुक्ति नहीं हो सकी।

बीएफए डिग्रीधारी बगैर बीएड बन सकेंगे कला शिक्षक:

नई नियमावली में कला शिक्षकों की अर्हता में भी बदलाव का प्रस्ताव है। पहले सहायक अध्यापक कला के लिए कला अथवा ललितकला विषय के साथ स्नातक और बीएड या समकक्ष उपाधि अनिवार्य थी। अब कला विषय के साथ स्नातक डिग्रीधारियों के लिए बीएड की उपाधि तो अनिवार्य है। लेकिन ललितकला (बीएफए) करने वाले सीधे आवेदन कर सकेंगे। इनके लिए बीएड को अधिमानी (वेटेज) अर्हता माना गया है।

रामदेव प्रार्थना मंदिर की प्रथम वर्षगांठ तीन दिवसीय महोत्सव का आगाज हवन की सुवास से महकी यज्ञशाला आज निकलेगी कलश यात्रा

दैनिक पुष्पाजंली टुडे

बेंगलूरू- मागड़ी रोड़ अग्रहारा दासरहल्ली स्थित रामदेव प्रार्थना मंदिर कि प्रथम वर्षगांठ का तीन दिवसीय महोत्सव का आगाज दिनांक 27 फरवरी मंगलवार को हुआ। दोपहर 12 बजे बाद हेमानी स्नान, प्राश्चित संकल्प, प्रधान मंडल स्थापना उसके बाद शाम 4 बजे से मंडन पूजन विष्णु हवन, कुंभ स्थापन एवं विभिन्न अनुष्ठान विधि-विधानपूर्वक सम्पन्न हुए। महोत्सव के तहत बुधवार को प्रातः देव मंडप पूजा एवं स्थापित देवता हवन, प्रधान हवन, क्षेत्रपाल ,दिगपाल, प्रधान हवन सुदर्शन हवन, महालक्ष्मी हवन में 21 जोडो ने मंत्रोच्चारण के साथ आहुतियां दी। शाम को भजन संध्या का आयोजन हुआ जिसमें भजन गायकों ने भजनों की प्रस्तुतियां देकर श्रद्धालुओं को झूमने पर मजबूर कर दिया। इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष चेतन सीरवी ने बताया कि गुरूवार प्रातः,6 बजे कुम्भाभिषेक एवं मंडल पूजा, दिगपाल क्षेत्रपाल बलिदान, पुण्यवती अनुष्ठान होगे।सुबह 7 बजे से कलश यात्रा हनुमान मंदिर से रामदेव प्रार्थना मंदिर तक निकाली जाएगी। 10 बजे महाआरती व पुर्णाहुति महाप्रसादी का आयोजन होगा। इस अवसर पर सचिव पंकज शर्मा ,संरक्षक इन्द्रलाल सोलंकी, पुखराज मेहता, रमेश चावत, सोहनसिंह राजपुरोहित, राजेश पारिक एवं रामदेव भक्त मण्डल के समस्त कार्यकारिणी महिला मंडल सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

कोलारस आबकारी की जहरीली शराब के विरुद्ध कार्यवाही, दो आरोपी जेल भेजे

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी- कलेक्टर रवींद्र कुमार चौधरी द्वारा अवैध मदिरा निर्माण, विक्रय, परिवहन, धारण की रोकथाम के लिए जिला आबकारी अधिकारी संजय कुमार गुप्ता के नेतृत्व में जहरीली शराब के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के अनुक्रम में गतदिवस कोलारस क्षेत्रांतर्गत मुखबिर की सूचना के आधार पर ग्राम हरिपुर में दबिश दी गई।इस अभियान में आरोपी प्रेमनारायण के कब्जे से 60 लीटर मानव उपभोग हेतु अनुपयुक्त हाथ भट्टी मंदिरा जब्त कर

आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34(2) व 49(क)का प्रकरण दर्ज किया गया तथा रेशम माता मंदिर के पुल से आरोपी गोपाल के कब्जे से 5 लीटर जहरीली हाथ भट्टी मदिरा जब्त कर म.प्र. आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34(1) व 49 (क) का प्रकरण दर्ज किया गया।

उक्त दोनों आरोपियों को न्यायालय के समक्ष पेश किया गया जहां न्यायालय के आदेश से दोनों आरोपियों को जेल भेज दिया गया। उक्त कार्यवाही में वृत्त प्रभारी आबकारी उपनिरीक्षक तीर्थराज भारद्वाज, आरक्षक सतीश जयंत, भूपसिंह धाकड़, डोंगर सिंह राठौर व रितिक धाकड़ का सराहनीय योगदान रहा

भारत जोड़ो न्याय यात्रा की तैयारी को लेकर आज बैठक आयोजित होगी

दैनिक पुष्पांजली टुडे

कांग्रेस किसानों के समर्थन में कलेक्टर को ज्ञापन सौपेंगे

भिण्ड । जिला कांग्रेस कमेटी जिला अध्यक्ष मान सिंह कुशवाहा द्वारा बताया गया कि 29 फरवरी 2024 समय 12 से स्थान बीटीआई रोड जिला कांग्रेस कार्यालय भिंड में बैठक आयोजित की जा रही है। जिसमें सभी विधायक,पूर्व विधायक पूर्व विधानसभा प्रत्याशी,लोकसभा प्रत्याशी,जिला पंचायत सदस्य, जनपद पंचायत सदस्य,पार्षद,सरपंच प्रदेश के पदाधिकारी जिला कांग्रेस के पदाधिकारी,मोर्चा,विभाग, संगठन के अध्यक्ष व पदाधिकारीगढ़ समस्त ब्लॉक अध्यक्ष,मंडलम,सेक्टर के अध्यक्ष सभी लोगों से आग्रह नियत समय पर उपस्थित होने का आग्रह किया है।बैठक के तत्पश्चात किसानों के समर्थन में 03 बजे कांग्रेस कार्यालय से एकत्रित होकर कलेक्ट्रेट पहुंचकर कर कलेक्टर भिंड को ज्ञापन सौपा जाएगा।

तकनीकी हस्तांतरण, फसल विविधता में लाभकारी है- मसाला फसलें

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी- बागवानी में एकीकृत विकास मिशन अंतर्गत मसाला फसलों में तकनीकी हस्तांतरण-कृषक प्रशिक्षण सह संगोष्ठी 28 फरवरी को कृषि विज्ञान केन्द्र शिवपुरी पर आयोजन किया गया।शिवपुरी जिले में फसल विविधता में मसाला फसलों की उपयोगिता, महत्व एवं उन्नत कृषि तकनीकियों के प्रसार के लिए लाभकारी फसलों अजवाइन, कलौंजी, धनिया, हल्दी, अदरक, प्याज, लहसुन की उत्पादन तकनीक एवं बीजोत्पादन के बारे में केन्द्रित करते हुए कृषक प्रशिक्षण सह संगोष्ठी में उपस्थित कृषकों को जानकारी दी गई। कृषि विज्ञान केन्द्र के प्रमुख डॉ.पुनीत कुमार द्वारा जिले में मसाला फसलों की स्थिति एवं उत्पादन की संभावनाएं के बारे में जानकारी दी गई। इसी क्रम में केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ.एम.के.भार्गव द्वारा अजवाइन एवं कलौंजी की विपुल उत्पादन तकनीक के साथ प्याज बीजोत्पादन के बारे में बतलाते हुए लाभकारी फसल चक्रों में उन्नत वैज्ञानिक तकनीकियों को प्रचलन में लाते हुए फसलोत्पादन में मसाला फसलों को उचित फसल चक्रों जैसे अजवाइन-गेहूं, सोयाबीन-कलौंजी, सोयाबीन-धनिया, मूंगफली-धनियां इत्यादि लेने के लिए परामर्श दिये गये तथा फल वृक्षों के साथ कृषिवानिकी पद्धति के रूप में हल्दी, अदरक जैसी फसलों के साथ कृषि उद्यानिकी पद्धति के द्वारा उत्पादन लेने से भूमि के उचित उपयोग एवं कुल मुनाफा अधिक लिए जाने के लिए भी प्रेरित किया गया।डॉ.शैलेन्द्र सिंह कुशवाह वरिष्ठ वैज्ञानिक सस्य विज्ञान ने धनिया उत्पादन एवं मसाला फसलों में खरपतवार नियंत्रण के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए उन्नत कृषि तकनीकों को अपनाते हुए खरपतवारों से होने वाली क्षति जो 35-40 प्रतिशत तक हो जाती है उसे रोकने के उपायों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।मसाला फसलों की उन्नत प्रजातियों जैसे अजवाइन में अजमेर अजवाइन 1, 2, 93 एवं कलौंजी में एन.एस. 44, 48,1 कालाजीरा, धनिया में ए.सी.आर. 2, ए.सी.आर. 1, 41, गुजरात धनिया 1 के बीजोत्पादन तकनीक के बारे में कृषकों को समझाते हुए व्यावहारिक बातों से अवगत कराया तथा मसाला फसलों के साथ अतिरिक्त आय के लिए तथा परागण के साथ-साथ उत्पादन ब?ाने में सहयोगी मधुमक्खी पालन करने के बारे में वैज्ञानिक पहलुओं से अवगत कराया।

मसाला फसलों में रोग-कीटों के समन्वित प्रबंधन उपायों के बारे में बीजोपचार तथा गंधक के प्रयोग इत्यादि के बारे में जे. सी. गुप्ता वैज्ञानिक (पौध सुरक्षा) एवं मसाला फसलों में कटाई उपरांत प्रौद्योगिकी एवं संसाधन प्रक्रिया के बारे में डॉ.ए.एल.बसे?िया (कृषि अभियांत्रिकी) ने जानकारी दी।

मसाला फसलों के विपणन एवं भण्डारण के बारे में योगेश चन्द्र रिखा?ी वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी ने विस्तार से जानकारी दी तथा सफल मसाला उत्पादन कृषकों एवं समूहों के द्वारा सफलताओं की चर्चा कराते हुए कृषकों ने अपने अनुभव साझा किए जिसमें ग्राम मोहराई विकासखण्ड कोलारस के कृषक हरनाम सिंह जाटव ने मसाला उत्पादन एवं प्रसंस्करण के बारे में अपनी सफलता बतलाते हुए अन्य कृषकों को भी फसल विविधता एवं मसाला फसलों के योगदान पर जानकारी दी।कृषक प्रशिक्षण के तकनीकी हस्तांतरण कार्यक्रम में विभिन्न विकासखण्डों से आये कृषकों एवं महिला कृषकों के साथ 125 से अधिक कृषकों की एवं संबंधित विभाग के शासकीय सेवकों की सहभागिता रही। कार्यक्रम के अंत में कृषि विज्ञान केन्द्र पर फसल संग्रहालय एवं तकनीकी इकाइयों का भ्रमण भी कराया गया तथा परीक्षणों के परिणामों से अवगत कराया।कार्यक्रम के सफल आयोजन में कृषि विज्ञान केन्द्र के समस्त स्टॉफ के साथ प्रमुख रूप से सतेन्द्र गुप्ता कार्यालय अधीक्षक सह लेखापाल, कनिष्ठ शीघ्रलेखक सह कम्प्यूटर ऑपरेटर आरती बंसल, शोध सहायक विजय प्रताप सिंह, वीर नारायण राणा एवं इन्द्रजीत गड़वाल की भी भूमिका रहीं।

देहात थाना ने किया 11 लाख की चोरी के मामले का खुलासा करने पर पुलिस अधीक्षक एवं थाना स्टॉफ का किया सम्मानित

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी-पुलिस अधीक्षक शिवपुरी रघुवंश सिंह भदौरिया द्वारा संपत्ती संबंधी मामलों मे कमी लाने एवं ज्यादा से ज्यादा चोरी के मामलों का खुलासा कर चोरी गया माल वरामद करने हेतु समस्त थाना प्रभारियों को निर्देशित किया गया था। जिसके तहत कार्यवाही करते हुये पुलिस थाना देहात द्वारा बलराम झा निवासी तुलसी नगर शिवपुरी के घर मे दिनांक 23.12.23 को हुई सोने चांदी के जेबर कीमती करीबन 8-10 लाख रुपये की चोरी खुलासा करने पर पर पुलिस अधीक्षक सहित थाना प्रभारी देहात एवं पुलिस टीम का सम्मान किया गया है । पुलिस अधीक्षक श्री रघुवंश सिंह भदोरिया जी के नेतृत्व में देहात थाना टीआई और उनकी टीम ने 2023 में हुई चोरी का खुलासा किया और चोरी गया माल बरामद कर आरोपी को गिरप्तार किया है । शिवपुरी पुलिस के इस सराहनीय एवं त्वरित कार्यवाही के लिये फरियादी व उसके समाज जनों द्वारा पुलिस के मनोबल को बढाने के लिये आज दिनांक 28/02/2024 को पुलिस अधीक्षक शिवपुरी, थाना प्रभारी थाना देहात निरी. विकास यादव एवं उनकी टीम को माला पहनाकर और सॉल, श्रीफल देकर सम्मान

किया गया है । इसके पश्चात शहर के बुद्धीजीवी, समाजसेवी एवं पत्रकार बंधुओं द्वारा भी पुलिस अधीक्षक कार्यालय शिवपुरी पहुंचकर पुलिस अधीक्षक शिवपुरी, थाना प्रभारी देहात एवं पुलिस टीम को योगेश शर्मा, अजय सक्सेना, लालू शर्मा (पत्रकार), मुकेश जैन (पत्रकार), सोनू चौधरी, किरण शर्मा, मलखान जाटव, प्रशांत राठौर, केदार सिंह गोलिया, गजानंद उपाध्याय, यश योगी ,देवालय अग्रवाल, विजय शर्मा के द्वारा पुलिस के इस सराहनीय कार्य के लिये पुलिस को सम्मानित किया गया है ।

मदिरा दुकानों की ई टेंडर से नीलामी होगी चार मार्च को

रीवा(पुष्पांजली टुडे)

।रीवा तथा मऊगंज जिले की आठ समूहों की 77 मदिरा दुकानों के लाइसेंस जारी करने की कार्यवाही ई टेंडर से चार मार्च को दोपहर 2.30 बजे से कलेक्ट्रेट सभागार में होगी। इसमें एक अप्रैल 2024 से 31 मार्च 2025 की अवधि के लिए मदिरा दुकानों की नीलामी होगी। नीलामी की कार्यवाही कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल की अध्यक्षता में गठित जिला स्तरीय समिति द्वारा की जाएगी। इस संबंध में सहायक आयुक्त आबकारी अनिल जैन ने बताया कि प्रत्येक मदिरा दुकान समूह के लिए ई टेंडर के फार्म का मूल्य 30 हजार रुपए निर्धारित किया गया है। ई टेंडर के लिए ऑनलाइन टेंडर प्रपत्र डाउनलोड करके उसे ऑनलाइन दर्ज करने की अवधि 27 फरवरी को सुबह 10 बजे से चार मार्च को दोपहर दो बजे तक निर्धारित की गई है। सभी ई टेंडर चार मार्च को दोपहर 2.30 बजे से कलेक्ट्रेट सभागार में खोले जाएंगे। ई टेंडर के संबंध में पूरा विवरण आबकारी विभाग की वेबसाइट एक्साइज डॉट एमपी डॉट जीओभी डॉट इन से डाउनलोड किया जा सकता है। ई टेंडर फार्म के साथ जमा की जाने वाली धरोहर राशि, मदिरा समूह का आरक्षित मूल्य तथा अन्य विवरण एवं ई टेंडर के लिए आवश्यक अभिलेखों की जानकारी कार्यालयीन समय में सहायक आयुक्त आबकारी कार्यालय रीवा से प्राप्त की जा सकती है। शासन के राजपत्र क्रमांक 27 दिनांक 8 फरवरी 2024 के प्रावधानों के अनुसार जो राष्ट्रीयकृत बैंक, ई गवर्नेंस सर्विस लिमिटेड में पंजीकृत हैं उनकी ही नवीन बैंक गारंटी ई टेंडर के साथ मान्य की जाएगी।

34 लाख रूपये की धोखाधडी एवं ठगी करने वाले आरोपी को अहमदाबाद गुजरात से किया गया गिरफ्तार

पंकज त्रिपाठी
दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । पुलिस अधीक्षक डॉ. असित यादव,अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संजीव पाठक के द्वारा दिये गये विशेष निर्देश एवं आदेश के पालन में एसडीओपी रविन्द्र बिलवाल अनुभाग लहार के मार्गदर्शन में थाना लहार पुलिस टीम द्वारा थाना लहार के अप.क्र.30/2024 धारा 420,406 भादवि के आरोपी को अहमदाबाद (गुजरात) से गिरफ्तार किया गया है।घटना का संक्षिप्त विवरण - दिनाँक 02/02/2024 क फरियादी विकास गुप्ता निवासी लहार द्वारा रिपोर्ट की गई थी कि उसकी फर्म महालक्ष्मी ट्रेडिंग कम्पनी प्रोपराइटर एवं दूसरी फर्म झाँसी ट्रेडर्स प्रोपराईटर है। दोनो फर्मों का संचालन

फरियादी ही करता है। फार्मों पर अनाज गल्ला की खरीदी एवं बिक्री का कार्य किया जाता है। उसके पास आरोपी ब्रोकर महादेव कंवेन्सिंग अहमदाबाद (गुजरात) का दलाल फर्जी नाम बताकर गल्ला खरीदन के लिये आया था। और फरियादी विकास गुप्ता से 02 ट्रक ज्वार एवं 02 ट्रक बाजरा करीव 1100 कुन्टल कीमती 3400000/- रुपये का खरीदकर अहमदाबाद (गुजरात) में ले गया और बायदे के मुताविक पैसे मांगने पर मोबाईल अपना बन्द कर लिया। तब फरियादी द्वारा थाने पर रिपोर्ट की गई । जिसमें अपराध क्रमांक 30/2024 धारा 420,406 भादवि का पंजीबध्द कर विवेचना में लिया गया।

विवेचना के दौरान पुलिस अधीक्षक के आदेश व निर्देशन में अहमदाबाद (गुजरात) टीम भेजी गई। जिसमें सायबर सेल भिण्ड के सहयोग से उस अज्ञात आरोपी को अहमदाबाद में बडी लगन व मेहनत से उक्त आरोपी को ज्ञात कर पकड़कर थाना लहार लाया गया है। उक्त आरोपी को न्यायालय में पेश कर पीआर लिया गया। जिससे मसरुका (ज्वार,बाजरा) की बरामदगी हेतु उसे अहमदाबाद (गुजरात) ले जाकर उक्त माल की बरामदगी की जावेगी।

उल्लेखनीय कार्य में निरीक्षक परमानंद शर्मा थाना प्रभारी लहार,का. उपनिरीक्षक मुन्शी लाल डोंगर,प्रधान आरक्षक सुनील शर्मा,आरक्षक अजय यादव,अक्षय दीक्षित,सुशील शर्मा एवं सायबर सेल प्रभारी निरीक्षक दीपेन्द्र यादव,एएसआई सत्यवीर सिंह,प्रधान आरक्षक महेश,आरक्षक आनन्द दीक्षित,राहुल यादव,हरपाल सिंह चौहान की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

शिवपुरी पुलिस की अवैध शराब के खिलाफ कार्यवाही लगातार जारी, थाना करैरा पुलिस द्वारा 200 लीटर हाथ भट्टी की कच्ची शराव एवं दो मोटरसाइकिल कुल कीमती 02 लाख रूपये सहित दो आरोपिया को किया गिरफ्तार

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी-पुलिस अधीक्षक शिवपुरी रघुवंश सिंह भदौरिया जी के द्वारा जिले मे अवैध मादक पदार्थ जुआ सट्टा, अवैध हथियार, अवैध खनन परिवहन, अवैध शराव की धरपकड अभियान के तहत जीरो टालरेन्स अपनाने के निर्देश दिये गये उक्त निर्देश के पालन मे अति0 पुलिस अधीक्षक श्री संजीव मुले एवं एस.डी.ओ.पी. शरैरा श्री शिवनारायण मुकाती के मार्गदर्शन में दिनांक 27.02.2024 को कस्वा भ्रमण के दौरान शाम को थाना करैरा पुलिस को मुखविर द्वारा सूचना मिली कि हाईवे रोड किनारे कंजर डेरा के पास चार व्यक्ति दो मोटरसाईकिलो पर चार प्लास्टिक की कैनों को परिवहन कर बिक्री करने के लिये जा रहे है । मुखबिर की सूचना की तस्दीक हेतु मुखबिर द्वारा बताये स्थान कंजर डेरा के पास पहुंचे तो एक एचएफ डीलक्स मोटरसाईकिल पर दो कैने 50 - 50 लीटर की नीले रंग की टगी दिखी तथा दो कैने 50 - 50 लीटर की जमीन पर एक विना नम्वर की टीव्हीएस मोटरसाईकिल के पास रखी दिखी और चार व्यक्ति मोटरसाईकिलो के पास खडे दिखे जो कैनो को बाँध रहे थे हमराही वल की मदद से दविश दी तो चारो व्यक्ति मौके से भाग गये । चारो प्लास्टिक की कैनो के ढक्कनो को खोलकर चैक किया तो चारो कैनो मे 50-50 लीटर हाथ भट्टी की वनी कच्ची शराव भरी पाई मौके पर चारो कैनो मे कुल 200 लीटर कच्ची हाथ भट्टी की वनी शराव कुल कीमती 45000 रूपये एवं एचएफ डीलक्स मोटरसाईकिल क्रमांक स्क्क33 स्क्क 9809 ब विना नम्वर की टीव्हीएस मोटरसाईकिल कुल कीमती 1,55000 रूपये को जप्त किया गया ,मौके पर उपस्थित गवाहो से भागने वाले चार ब्यक्तियो के नाम पता किया तो 1. सोनू पुत्र मोहनलाल कंजर ,2.रवि पुत्र नारायन सिह कंजर ,3.बलराम पुत्र परमाल सिह कंजर ,4.मूरत पुत्र तखतराम कंजर का होना वताया चारो आरोपियों का कृत्य धारा 34(2) आबकारी एक्ट का पाये जाने से अप0 क्र0 147/24 पंजीबद्ध किया गया । आज दिनांक 28.02.24 को आरोपीगण 1. सोनू पुत्र मोहन सिह कंजर उम्र 35 साल 2. मूरत सिह पुत्र तखत सिह कंजर उम्र 40 साल निवासीगण कंजर डेरा के पास हाईवे रोड करैरा को

गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय पेश किया गया ।

बरामद माल- 01. 04 प्लास्टिक की कैनो मे कुल 200 लीटर कच्ची शराव कीमती 45000 रूपये

02. एचएफ डीलक्स मोटरसाईकिल क्रमांक स्क्क33 स्क्क 9809 ब विना नम्वर की टीव्हीएस मोटरसाईकिल कुल कीमती 1,55000 रूपये कुल कीमती 02 लाख रूपये।

इनकी रही भूमिका थाना प्रभारी निरी.सुरेश शर्मा, उनि उनि केपी शर्मा, प्रआर 669 अभयराज सिह , आर 670 देवश तोमर ,एनआरएस मनमोहन तोमर ,एनआरएस आनंद यादव ।

अब वेस्ट आयल के उपयोग से जलेगी गैस, मेटल और ग्लास इंडस्ट्री में भी कर सकते हैं उपयोग

ग्वालियर। साइंस ने तरक्की के दरवाजे खोल दिए हैं। युवा साइंस के जरिए नवाचार कर जीवन को आसान बना रहे हैं। साथ ही पर्यावरण का साथ भी दे रहे हैं। नवाचार करने में युवा ही नहीं बच्चे भी शामिल हैं। उन्होंने अपने आइडियाज से वैज्ञानिकों को भी प्रभावित किया। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर हम आपको ऐसी प्रतिभाओं से परिचित करा रहे हैं, जिन्होंने एक माडल पर प्रजेंटेशन दिया और अब उस पर काम हो रहा है।

अब दो बर्नर और तीन बर्नर की भट्ठी भी हो रही तैयार

एमआइटीएस के छात्र सत्यम राजपूत ने वेस्ट आयल बर्नर बनाया है। यह बर्नर भट्ठी में लगाकर जलाया जा सकता है, जिसे खाना बनाने सहित ग्लास इंडस्ट्री, मेटल इंडस्ट्री में इस्तेमाल किया जा सकता है। सबसे खास बात यह है कि इस बर्नर को जलाने के लिए गैस का इस्तेमाल नहीं होता। बाइक, कार एवं ट्रांसफार्मर से निकलने वाला वेस्ट आयल से यह जलता है। सत्यम ने इसमें कास्ट आयरन प्लेट, एयर ब्लोवर, आयल टैंक, एमसील,

12 वोल्ट चार्जर का इस्तेमाल किया है। इस प्रोजेक्ट को बनाने में सत्यम को लगभग दो माह का समय लगा। अभी यह एक बर्नर का तैयार हो चुका है। जल्द ही दो बर्नर और तीन बर्नर का भी तैयार किया जा रहा है।

यउत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक वन के छात्र लक्ष्य अग्रवाल ने ड्रिप इरीगेशन पर एक माडल बनाया है, जिसमें बारिश के पानी को व्यर्थ करने की बजाय उसे पौधों की सिंचाई के लिए उपयोग करने का तरीका बताया। इसमें वर्षा के पानी को छत पर से पाइप के द्वारा टैंक में इकट्ठा किया जाता है। इसके बाद उसमें फिल्ट्रेशन मशीन लगाई गई और और फिर उस पानी को अन्य टैंक में स्टोर किया गया। अब पाइप के जरिए पास बने गार्डन में ड्रिप सिस्टम से पानी पहुंचाया गया। इससे पानी वेस्टेज होने से बचा। साथ ही यदि आप कहीं बाहर जाने का प्लान कर रहे हैं तो इस सिस्टम को आन करके जा सकते हैं। यह साफ पानी घर के अन्य काम में भी उपयोग लाया जा सकता है। इस माडल को कई लोगों ने इम्प्लीमेंट किया और अब इस्तेमाल कर रहे हैं।वैज्ञानिक समुदाय के योगदान की सराहना करने के लिए मनाया जाता है दिवस देश में प्रत्येक वर्ष 28 फरवरी को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया जाता है। यह दिन भारतीय भौतिकशास्त्री चंद्रशेखर वेंकट रमन द्वारा श्रमन प्रभाव की खोज के स्मरण में मनाया जाता है। यह अवसर हमारे वैज्ञानिक समुदाय के योगदान की सराहना करने और देश के विकास में उनके योगदान के विषय में जन जागरूकता बढ़ाने के लिए भी एक मंच के रूप में कार्य करता है।

श्री बालाजी धाम हांसी का दिव्य दरबार 29 फरवरी से 4 मार्च तक इंटक मैदान में

ग्वालियर। श्री बालाजी धाम हांसी का दिव्य दरबार आज 29 फरवरी से ग्वालियर में आयोजित किया जा रहा है जिसके अंतर्गत प्रतिदिन सुबह 8:00 बजे से संकट निवारण हवन एवं श्याम 7:30 बजे से चमत्कारी दिव्य दरबार आयोजित किया जाएगा। वही चमत्कारी दिव्या आयाम 4 मार्च को रात्रि 9 बजे से लगेगा।

उक्त जानकारी हरियाणा हांसी से पधारे महंत दिनेश कुमार महाराज ने बुधवार को पत्रकारों को दी उन्होंने बताया कि वो पूरे देश में कई स्थानों पर दरबार लगा चुके हैं श्रद्धालुओं के कहने पर यह दरबार ग्वालियर में आयोजित किया जा रहा है।पूछे गए एक प्रश्न के जवाब में उन्होंने कहा कि जो लोग पर्चे लिखते हैं वह कोई चमत्कार नहीं है उन्होंने कहा की मंत्रों के द्वारा कई बे- औलादे को औलाद की प्राप्ति हुई है वही एक प्रश्न के जवाब में उन्होंने कहा कि अपराधी को सजा देने का अधिकार न्यायालय का है हम केवल उसका मानसिक संतुलन ठीक कर सकते हैं।महंत डॉक्टर दिनेश कुमार महाराज ने बताया कि चमत्कारी दिव्य आयाम में उपस्थित सभी भक्तजनों को अपने-अपने आसन पर लेटना होता है यह प्रक्रिया लगभग 1 घंटे की होती है ,दिव्य बीज मंत्रो की सहायता से दैविक शक्तियों के शक्ति पात्र द्वारा दरबार में आए श्रद्धालुओं के शारीरिक कष्ट ,दुख ,दर्द, बीमारियां जन्म-जन्मान्तर के पाप कर्मों को क्षण भर में दूर करते हैं कुछ साधक इस दौरान गहरी निद्रा में चले जाते हैं कुछ अपने इष्ट देव के दर्शन पाते हैं लाइलाज बीमारियां भी ठीक हो जाती है।

पत्रकार वार्ता में महेंद्र भदकारिया ,अनिल पुनियानी ,कल्पी पंडित ,अनुज सिंह, अचल भदकारिया ,बंटी भदौरिया आदि मौजूद थे

बीएसएफ अकादमी, टेकनपुर में दो दिवसीय राष्ट्रीय पुलिस श्वान के 9 सेमिनार शुभारंभ

ग्वालियर टेकनपुर । केन्द्रीय ग्रह मंत्रालय द्वारा सीमा सुरक्षा बल अकादमी, टेकनपुर में दो दिवसीय 28 और 29 फरवरी 2024 को 5 वें राष्ट्रीय पुलिस श्वान के 9 सेमिनार का आयोजन किया गया है। इस सेमीनार के मुख्य अतिथि अकादमी के एडीजी एवं निदेशक रवि गांधी थे। इस सेमिार में सीएपीएफ, सीपीओ, भारतीय सेना, वायु सेना, सीमा शुल्क और वन्य जीव संरक्षण सहित विभिन्न सुरक्षा और राज्यों के पुलिस बलों के 40 अधिकारी, 40 अधीनस्थ अधिकारी एवं 160 अन्य रैंक, कुल 240 प्रतिभागी, अपने अनुभव और सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करते हुए सहयोगात्मक शिक्षण में संलग्न होंगे।इस सेमिनार में देश के अनुभवी पशु चिकित्सक, प्रशिक्षक और श्वान संचालक बड़ी संख्या में शामिल हो रहे हैं। जिसमें प्रत्येक प्रतिभागी अपनी अनूठी विशेषज्ञता को इस राष्ट्रीय मंच पर प्रदर्शित करेगा।

सेमिनार में पुलिस कैनाइन विशेषज्ञता के पूरे वर्णक्रम पर गहराई से चर्चा की जाएगी, जिसमें सावधानी पूर्वक प्रजनन और चयन प्रक्रिया से लेकर विभिन्न कार्यों के लिए विशेष प्रशिक्षण तकनीक तक शामिल है। सेमिनार के प्रतिभागियो को प्रशिक्षित श्वानों द्वारा विस्फोटकों का पता लगाने, नशीले पदार्थों को सूंघने, जटिल ट्रैकिंग, आपदा के समय प्रतिक्रिया और यहां तक कि घात को निष्क्रिय करने में कुशल श्वानों के विकास के बारे में जानकारी मिलेगी। फिर चाहे वह नशीले पदार्थों या विस्फोटकों की सूक्ष्म गंध का भेदभाव हो या एक खोजी और बचाव श्वान का अटूट साहस हो, सेमिनार इन असाधारण भागीदारों की उल्लेखनीय क्षमताओं को उजागर करने का वादा करता है। इस दो दिवसीय सेमिनार के दौरान विभिन्न तकनीकी सत्र का आयोजन किया जायेगा, जो कि निम्न प्रकार हैसेमीनार में डॉ. मंजुरूदीन अहमद, कसंल्टेंट डायरेक्टर पुलिस कैनाइन सेल एमएचए , अकादमी के संयुक्त निदेशक आईजी केएल शाह, आईजी एसटीसी एसपी तिवारी, अकादमी में पदस्थ अन्य वरिष्ठ अधिकारी, अधीनस्थ अधिकारी व जवान तथा सेमिनार में भाग लेने आये देश के विभिन्न केंद्रीय राज्य पुलिस बलों व सेनाके प्रतिभागी शामिल हुये। इस अवसर पर प्रतिभागीयों के अवलोकन के लिए टीएसयू, सीडब्ल्यूएस,व सीएसएमटी ने अपने स्टाल भी लगाये थे।

जौरासी मंदिर पर बने मध्यप्रदेश के पहले माता लक्ष्मीजी मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा 7 मार्च को

ग्वालियर। जौरासी में माता लक्ष्मी की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा सात मार्च को होगी । जौरासी में ट्रस्ट मंदिर श्री हनुमान जी ने 15 करोड़ रुपए में लक्ष्मी मंदिर तैयार किया गया है, जहां जूनापीठाशीश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि जी महाराज के मुख्य आतिथ्य में प्राण प्रतिष्ठा समारोह संपन्न होगा।उक्त जानकारी बुधवार को पत्रकारों को देते हुये ट्रस्ट मंदिर श्री हनुमान जी के अध्यक्ष सुरेश चतुर्वेदी, मंत्री प्रेमसिंह भदौरिया ने दी। उन्होंने बताया कि सूर्य मंदिर के बनने के बाद से कष्ट से जूझ रहे ग्वालियर में महालक्ष्मी मंदिर निर्माण का निर्णय लिया गया। इसके कार्यक्रम एक मार्च से कलश यात्रा के साथ शुरू होंगे। उन्होंने बताया कि महालक्ष्मी मंदिर में अष्ट महालक्ष्मी की 6 फीट की प्रतिमा वियतनाम मार्बल से बनाई गई है जो जयपुर में बनाई गई है। इस प्रतिमा में महालक्ष्मी के साथ उनकी सात बहनें आदि लक्ष्मी, धन लक्ष्मी, धान्य लक्ष्मी, गज लक्ष्मी, संत लक्ष्मी, बीर लक्ष्मी, जय लक्ष्मी, विद्या लक्ष्मी सहित 8 प्रतिमाएं स्थापित की जा रहीं हैं। उन्होंने बताया कि सात देवमूर्तियों की मूर्तियाँ 2-2 फुट की हैं। गणेशजी और मां सरस्वती की साढे तीन चरण की प्रतिष्ठा है। महालक्ष्मी के आगे उनकी सात बहनों की मूर्तियां स्थापित की जायेंगी। मुख्य मंदिर के प्रवेश द्वार के पास गणेशजी और सरस्वती के लिए अलग-अलग मंदिर बनाए गए हैं।

15 करोड़ की लागत से तैयार हुआ महालक्ष्मी का भव्य मंदिर

एक प्रश्न के उत्तर में ट्रस्टियों ने बताया कि

पौराणिक कथाओं के अनुसार सूर्य व शनि के बीच की वैमनस्यता को महालक्ष्मी ही दूर कर सकती है, इसलिए हनुमान मंदिर ट्रस्ट, जौरासी द्वारा 15 करोड़ की लागत से महालक्ष्मी का भव्य मंदिर तैयार किया गया है। 7 मार्च को जूना पीठाधीश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि के मुख्य आतिथ्य में कलश की प्राण प्रतिष्ठा होगी। प्रदेश में महालक्ष्मी का यह पहला भव्य मंदिर होगा। श्रद्धालुओं का मानना है कि महालक्ष्मी मंदिर के निर्माण के बाद शहर में औद्योगिक निवेश के रास्ते खुलेंगे और साथ ही सुख-समृद्धि भी आएगी।प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम 1 मार्च से 7 मार्च तक होगामंदिर श्री रिक्रेस्ट में प्रवेश की तैयारी है। इस मंदिर के भूतल पर सत्संग भवन के साथ संत निवास की व्यवस्था भी तैयार की गई है। जौरासी में महालक्ष्मी मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम 1 मार्च से 7 मार्च तक। लक्ष्मीजी की मूर्ति जयपुर में तैयार हुई जिसे वियतनाम मार्बल से बनाया गया है। 1 मार्च को सुबह 11 बजे कलश यात्रा निकलेगी। मध्यप्रदेश की मंत्री कृष्णा गौड़ मौजूद रहेंगी। 2 मार्च को पंचांग पूजन एवं दर्शनाधिवास, 3 मार्च को पूजन, वेदी पूजा एवं जलाधिवास, 4 मार्च को पूजन, अग्नि स्थापना, अन्नाधिवास, फलाधिवास, पुष्पाधिवास, वस्त्राधिवास, मिष्ठानाधिवास, वास्तु पूजन, 5 मार्च को पूजन , प्रसाद स्नान, नगर भ्रमण, मूर्ति न्यास एवं सय्याधिवास, 6 मार्च को दर्शन पूजन, प्राण प्रतिष्ठा, पूर्णाहुति एवं विसर्जन। 7 मार्च को प्रातः 11 बजे वेदपाठ, साहित्य के साथ भंडारा प्रसादी होगी। इस दिन स्वामी अवधेशानंद गिरि जी महाराज के साथ प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया और प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर तथा स्थानीय मंत्री गण मौजूद रहेंगे।

बनारस के वेद पाठी आचार्य जाएंगे प्राण प्रतिष्ठा

जौरासी हनुमान मंदिर के ट्रस्टी अध्यक्ष सुरेश चतुर्वेदी ने बताया कि जौरासी में अष्ट महालक्ष्मी मंदिर मंदिर तैयार हो चुका है। प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा के लिए बनारस से 11 वेद पाठी आचार्य आ रहे हैं। महालक्ष्मी की प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम 1 से 7 मार्च तक होगा। वहीं गोपाल शास्त्री शर्मा मुख्य आचार्य होंगे। इन्होने ही सूर्य मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा कराई थी। पत्रकार वार्ता में उपाध्यक्ष एसएस तोमर वीरेन्द्र जैन सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

छत्तीसगढ़: पूर्व विद्यार्थियों के सम्मान के साथ हायर सेकंडरी स्कुल अमलीपदर ने मनाया स्वर्ण जयंती

छत्तीसगढ़ की खास खबर पूर्व विद्यार्थियों के सम्मान के साथ हायर सेकंडरी स्कुल अमलीपदर ने मनाया स्वर्ण जयंती

ब्यूरो चीफ छत्तीसगढ पुष्पांजलि टूडे
अश्वनी अवस्थी

पूर्व विद्यार्थियों के सम्मान के साथ हायर सेकंडरी स्कुल अमलीपदर ने मनाया स्वर्ण जयंती

समारोह में इसी स्कुल से पढ़ाई कर व्यवसायी,कृषक, सेवानिवृत कर्मचारी सहित प्रशासनिक पदों पर कार्यरत पूर्व छात्र हुये शामिल

गरियाबंद>मैनपुर विकास खण्ड के अमलीपदर हायर सेकंडरी स्कूल में शाला प्रबंधन को एक अनुपम पहल करते देखा गया,बीते 26 फरवरी को हायर सेकंडरी स्कूल ने स्कुल का स्वर्ण जयंती मनाया जिसमें शालेय प्रबंधन ने पूर्व विद्यार्थियों को एक मंच पर एकत्र कर उनके विद्यार्थी जीवन के अनुशासन उस समय के उनके मेहनत और लगन पर अनुभव कथन का मंचीय आयोजन करवाया और उन्हें बेच लगाकर मेडल से सम्मान किया।स्कुल के प्राचार्य वरूण चक्रधारी ने बताया हायर सेकंडरी स्कूल सम्मान समारोह के इस वृहद आयोजन में 1331 पूर्व विद्यार्थीयों भाग लिया वहीं आयोजन पूर्व संसदीय सचिव गोवर्धन मांझी, पूर्व विधायक डमरूधर पुजारी,केनुराम यादव, लोकेन्द्रसिंह कोमर्रा,पुष्पा दुबे, कांतिलाल पाथर, प्रेम राव बाघे, रूदेन्द्र प्रसाद अवस्थी, श्यामलाल पाण्डेय, प्यारेलाल दुबे, मुनेन्द्र

जोशी,आर आर सिंह, सम्पत जैन, रोशनलाल अवस्थी, जमील मोहम्मद सहित कई अतिथि मौजूद थे।

स्कुल के सैकड़ों पास आऊट छात्र कई पदों पर कार्यरत-01 नवम्बर 1971 को स्थापित हायर सेकंडरी स्कूल अमलीपदर ने बीते 50 वर्षों में आईएएस आईपीएस से लेकर शिक्षक सहित अन्य छोटे-बड़े कर्मचारी दिये वहीं यहां से पास होकर निकले कई छात्रों में कोई प्रतिष्ठित व्यवसायी बना तो वहीं किसी ने अन्नदाता बनकर क्षेत्र में ख्याति अर्जित की है। यहां से पास आउट होने वाले छात्र ना केवल गृह प्रदेश छग बल्कि मप्र और सीमावर्ती ओडिशा प्रांत में नौकरी पेशा कर रहे हैं।इन सबका एक साथ एक मंच पर सम्पर्क हो आपस में पहचान बढ़े यही विचार कर शालेय प्रबंधन ने स्वर्ण जयंती समारोह का आयोजन कर सबको निमंत्रण भेज बुलाया था।

अमलीपदर स्कुल के इतिहास के पचास वर्ष-जुलाई 1971 को उस समय के सरपंच त्रिलोक सिंह ठाकुर ने बैठक कर नवीन हाईस्कुल के स्थापना की पहल की और उस समय जनभागीदारी से पं रविशंकर शुक्ल हाई स्कुल संचालित की गयी।1975 में जन सहयोग से शाला भवन का निर्माण हुआ फिर 1979 में इंफ्रास्ट्रक्चर का डेवलपमेंट हुआ।वही अमलीपदर के रामचंद्र राव बाघे, सुंदरलाल अवस्थी,फूलचंद सेठिया, गिरधारी लाल अवस्थी और कर्नल जैन की पांच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल भोपाल पहुंच कर शासकीय हाईस्कूल का आदेश करवाया था।गांव वाले रूके नहीं समस्याओं पर मांग करते रहे और छग बनने के बाद प्रथम मुख्यमंत्री अजित जोगी से नवीन भवन मांग लाये। परीक्षा दिलाने गरियाबंद जाना पड़ता था गांव? वालो के प्रयास से केन्द्र अमलीपदर हुआ।

पांच दानदाताओ ने स्कुल भवन के दिये अपनी कृषि जमीन-पहले हाईस्कूल भवन के लिये फिर कम पड़ा तो खेल मैदान के लिये अमलीपदर के पांच दानदाताओ ने अपनी कृषि भूमि दान कर दी। जहां भवन के लिये विराज सिंह ध्रुवा परिवार,फूलचंद सेठिया और टीकमचंद जैन,मकरन मरकाम ने करीबन 10 एकड तो वहीं खेल मैदान के लिये छोटेलाल अवस्थी ने 4 एकड और कन्या शाला स्कूल के लिए अपनी पौत्र स्व अनुपमा अवस्थी के नाम से 2 एकड़ जमीन और जब कन्या शाला की निर्माण कार्य में स्व योगेंद्र अवस्थी ने 51000 दान कर स्कुल के निर्माण से लेकर विकास में हाथ बंटाया।शालेय प्रबंधन ने स्कुल के स्वर्ण जयंती के अवसर पर दानदाताओ को याद करते हुये उनके परिवार को सम्मान किया है।

स्वर्ण जयंती में इन पूर्व विद्यार्थियों का भी हुआ सम्मान-स्वर्ण जयंती के अवसर पर पूर्व छात्रों के सम्मान समारोह में बोधन नायक,गौतम पात्र, कुंजबिहारी साहू, भुपेंद्र तिवारी,आलोक राव बाघे,संदीप साहु,उमेश श्रीवास सहित छात्र रहे दस वर्तमान प्राचार्य, शिक्षक , अधिकारी उपस्थित थे।वही कार्यक्रम के सफल आयोजन में कमल किशोर ताम्रकार, जयप्रकाश नागेश, प्रेम सिंह चक्रधारी,अनिल अवस्थी, अयोध्या राम टाण्डिया, धनसिंग मरकाम,अजय सिन्हा, मुकेश सिन्हा सहित सभी समन्वयको और शिक्षकों ने सहयोग कि

भारतीय युवा असंभव को संभव करने में सक्षम: निगमायुक्त

ग्वालियर । एमिटी विश्वविद्यालय मध्य प्रदेश में एनुअल यूथ फेस्ट एमीक्रोमा 2024 का भव्य शुभारंभ एमिटी विश्वविद्यालय के प्रो चांसलर लेफ्टिनेंट जनरल वीके शर्मा एवीएसएम (रिटायर्ड) और मुख्या तिथि नगर निगम आयुक्त हर्ष सिंह ने किया। इस अवसर पर एमिटी विश्वविद्यालय के प्रभारी कुलपति डॉ अनिल वशिष्ठ, प्रो. वाइस चांसलर प्रोफेसर डॉ.एमपी कौशिक (रिसर्च), रजिस्ट्रार राजेश जैन आदि विशेष रूप से मौजूद रहे। इस मौके पर छात्रों ने एक शानदार मार्च- पास्ट के साथ उनका स्वागत किया गया। इस मौके पर गुब्बारे छो?कर और फ्री फ्लो बैकड्रॉप के साथ उत्सव का उद्घाटन किया गया।इस अवसर पर प्रो. चांसलर लेफ्टिनेंट जनरल वीके शर्मा एवीएसएम ने अपने संबोधन में कहा कि एमिटी विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित यूथ फेस्ट छात्रों के लिए अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने, तकनीकी और सांस्कृतिक कौशल विकसित करने तथा सहभागिता और अनुशासन के मूल्य को सीखने का एक शानदार अवसर है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वह अपनी ऊर्जा, भारत को विश्व गुरु बनाने की दिशा में लगाएं। नगर निगम आयुक्त हर्ष सिंह ने युवाओं से कहा कि वह अपनी ऊर्जा को सकारात्मक क्षेत्र में लगाएं, जिससे देश प्रगति के रास्ते पर बढे और आपकी भी प्रगति हो। उन्होंने कहा कि भारतीय युवाओं में अपार शक्ति है और वह असंभव को संभव करने में सक्षम है। उन्होंने युवाओं से कहा कि आज कुछ ऐसा करें कि जो कल नया दिखे। उन्होंने कहा कि समय का मूल्य समझें। कार्यक्रम में गणेश वंदना, समूह नृत्य और गायन के माध्यम से भारतीय संस्कृति और कला का प्रदर्शन किया गया। छात्रों की प्रतिभा और रंगारंग कार्यक्रमों ने उपस्थित सभी लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। समारोह के बाद, विभिन्न प्रतियोगिताओं और कार्यक्रमों की शुरुआत हुई।

स्वामी, प्रकाशन, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णोपुरम एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रीत करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनुमान मंदिर के पास भिण्ड रोड गोले का मंदिर जिला ग्वालियर मध्यप्रदेश 474005 से प्रकाशित। भरत सिंह चौहान पी. आर. बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। E-mail : Pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, Mob.:8269307478